website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 265 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 02 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

मुसलमान भारत में इस्लाम की शुरुआत से है और रहेंगा- भागवत

-क्या भागवत की बातों का हिंदुत्व के पैरोंकारों एवं संगठनों पर प्रभाव पड़ेगा जो आएदिन भारत के मुसलमानों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं और मुसलमानों को विदेशों से आए हुए बताते हैं

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर तीन दिवसीय आयोजन में संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने एक प्रश्न के उत्तर में जवाब दिया कि भारत में मुसलमान इस्लाम की शुरुआत से ही है और भविष्य में भी रहेंगे । भागवत का कहना है कि भारत में मुसलमानों के साथ रहने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने यह भी कहा कि हिंदुओं की कम से कम तीन बच्चे पैदा करना चाहिए। जमीयत उलेमा हिन्द के सदर मौलाना अरशद मदनी ने मोहन भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा है कि यह एक बड़ी बात है कि आरएसएस ने यह मान लिया है कि भारत में मुसलमान कहीं बाहर से नहीं आए और भारत के लोगों द्वारा ही इस्लाम अपनाया गया है। मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू मुसलमानों को साथ रहने की आदत डालनी चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि हिंदुओं को सभी मस्जिदों में शिवलिंग नहीं ढूंढना चाहिए।

मोहन भागवत के बयान का क्या प्रभाव पड़ सकता है-

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत देश के सबसे बड़े हिंदू संगठन के प्रमुख है जिनकी राजनीतिक शाखा भाजपा देश में शासन कर रही है। इसलिए मोहन भागवत का मुसलमानों को लेकर बयान काफी महत्वपूर्ण माना जाएगा। मोहन भागवत के बयान का विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं और भाजपा के नेताओं पर कितना होगा यह भविष्य ही बताएगा। पिछले दिनों हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुसलमानों को लेकर विरोधी अभियान चला रहे हैं जैसे मस्जिदों में शिवलिंग ढूंढना, मस्जिदों के सामने ढोल तासे डेक बजाना, मोब लिंचिंग करना, मुसलमानों को दाढ़ी मूंछ रखने से रोकना, बुरखा पहनने का विरोध करना, मुसलमानों के कारोबार का बहिष्कार करना, मुस्लिम कर्मचारियों और अधिकारियों को टारगेट करना आदि। अब क्या हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आरएसएस प्रमुख भागवत की बातों को मानेंगे और उन पर अमल करेंगे। असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रीयों की कार्यशेली भागवत के बयान के बाद बदलेगी? वैसे भागवत के बयान का हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं पर कितना असर रहेगा यह तो पता नहीं है लेकिन यह सच है कि भारत में रह रहे 30 करोड़ मुसलमानों को देश से बाहर नहीं भेजा जा सकता है। देश की मजबूती के लिए देश में हिंदू मुस्लिम का साथ रहना जरूरी है। यदि हिंदू संगठन यह सोच रखते हैं कि भारत से मुसलमानों को बाहर भेजा जा सकता है, तो यह संभव नहीं लगता। क्योंकि 30 करोड़ मुसलमानों की संख्या इतनी बड़ी है कि न तो उन्हें कहीं भेजा जा सकता है और न ही कोई दूसरा देश उनको अपने यहां आने देगा। इसलिए मोहन भागवत का बयान वर्तमान में देश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दिया गया है।

राजनीतिक प्रभाव-

देश की राजनीति में पहली बार ऐसा हो रहा है जब आरएसएस को सीधे तौर पर टारगेट किया जा रहा है। विपक्ष के नेता कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी सीधे तौर पर आरएसएस को देश में नफरत फैलाने वाला, दलित, पिछड़े और मुस्लिम विरोधी संगठन बताते हैं। राहुल गांधी देश के ऐसा नेता है जो बिना किसी डर के आरएसएस को देश को तोड़ने एवं कमजोर करने वाला संगठन बताते हैं। राहुल गांधी आरएसएस के विरोध में दलितो और पिछड़ों को लामबंद कर रहे हैं। मुस्लिम भाजपा से पहले ही दूरी बना कर रख रहे हैं। हिंदू संगठन आए दिन मुस्लिम वर्ग को टारगेट करते रहते हैं। यदि देश में हिंदू मुस्लिम की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी तो आरएसएस से दूसरे वर्ग दूरी बना सकते हैं और आरएसएस की राजनीतिक शाखा भाजपा कमजोर पड़ सकती है। जमीनी स्तर पर देखा जाए तो भाजपा पहले से कमजोर हो रही है। भाजपा की बागडोर कुछ ही नेताओं के हाथ में है। भाजपा के सत्ता में नहीं रहने की स्थिति में विपक्ष आरएसएस को टारगेट कर सकता है। इसलिए संघ की दूरगामी राजनीति हो सकती है कि भविष्य की तैयारी अभी से कि जाए। संघ अच्छी तरह जानता है कि भाजपा की हिंदू-मुस्लिम राजनीति लंबी नहीं चल सकती है। इसलिए वर्तमान में चल रही हिंदू मुस्लिम और नफरत की राजनीति को कम किया जाना चाहिए। नफरत की राजनीति को कम करने के लिए संघ के इशारे पर भाजपा आगामी चुनाव में मुसलमानों को टिकट देना शुरू कर सकती है।

ट्रंप टैरिफ ने दुश्मन देशो को भी एक मंच पर आने पर मजबूर किया

-भारत-पाकिस्तान युद्ध में चीन और तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ दिया था

-चीन में आयोजित एससीओ समिट में चीन, भारत, तुर्की, पाकिस्तान और ईरान के राष्ट्राध्यक्ष एक साथ एक मंच पर दिखाई दिए

-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान, तुर्की के साथ नजदीकी देश के घरेलू मोर्चे पर परेशानी पैदा कर सकती है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ट्रंप टैरिफ ने विश्व के देशों में हलचल पैदा कर रखी है। ट्रंप टैरिफ से विश्व के ज्यादातर देश भयभीत दिखाई दे रहे हैं। टैरिफ के मामले में एकमात्र चीन ही अमेरिका को बराबरी का जवाब देता है। लेकिन भारत ने पहली बार ट्रंप टैरिफ के विरोध में कड़े और मजबूत कदम उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत से बहुत नाराज है। अमेरिका भारत को रूस से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने वाला देश मानता है। दूसरी बात भारत ने भारत-पाकिस्तान युद्ध सीजफायर का क्रेडिट नहीं लेने दिया। यही कारण है कि ट्रंप ने मोदी से नाराज होकर 50% टैरिफ लगा दिया। ट्रंप टैरिफ से भारत को करीब 55-60 लाख करोड डॉलर का नुकसान हो सकता है। अमेरिका ने भारत को डराने और धमकाने की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के सामने झुकने के बजाय दुश्मन और पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान से दोस्ती करने की ठान ली है। भविष्य में चीन और पाकिस्तान से दोस्ती के क्या फायदे और नुकसान होंगे यह तो भविष्य में ही पता लगेगा लेकिन यह दोस्ती ईमानदारी से चलती है तो भारत को आर्थिक फायदा बहुत होगा। क्योंकि पड़ोसी देशों से व्यापार करना आर्थिक फायदा पहुंचा सकता है। साथ में सैन्य सामानों पर होने वाला खर्च काफी कम हो सकता है। सभी पड़ोसी देशों में विकास की गति तेज हो सकती है। भारत, चीन, रूस और ईरान का विश्व पटल पर एक साथ आना अमेरिका की बर्बादी की शुरुआत मानी जा सकती है। अमेरिका के लिए विश्व में व्यापार की सीमाएं सिमट सकती हैं।

चीन, भारत, पाकिस्तान और तुर्की दोस्ती की ओर-

भारत-पाकिस्तान में 7 से 10 मई 2025 को भयंकर युद्ध हुआ था। चीन, तुर्की और अज़रबेजान ने पाकिस्तान का एक तरफा साथ दिया था। भारत के एक सैन्य अधिकारी ने माना था कि पाकिस्तान की फौज हमारे सामने लड़ रही थी लेकिन चीन और तुर्की पीछे से लड़ रहे थे। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति और ट्रंप टैरिफ का डर इन सभी देशों को अपनी दुश्मनी से ज्यादा खतरनाक दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सभी देशों को अपने इशारे पर चलाना चाहते हैं। अमेरिका के साथ चलने और उसकी बात मानने का मतलब है किसी देश का अपना स्वाभिमान गिरना और अमेरिका द्वारा विश्व में चल रहे गुप्त मिशनों और अभियानों में शामिल होना है। यदि मिशन और अभियान सफल होते हैं तो उसका फायदा सिर्फ अमेरिका को मिलता है। भारत एक स्वतंत्र देश है। भारत की 140 करोड़ जनसंख्या अमेरिका से डरने वाली नहीं है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहा है। भारत की तरह पड़ोसी देशों को भी समझने की जरूरत है। फायदा सबको होगा।

मोदी की घरेलू मोर्चे पर परेशानी बढ़ सकती है-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति और ट्रंप टैरिफ से तो मुकाबला कर सकते हैं लेकिन घरेलू मोर्चे पर उनकी परेशानी बढ़ सकती है। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में विराट हिंदूत्व शासक का चेहरा है। हिंदू संगठन और उनके कार्यकर्ता कभी नहीं चाहेंगे कि भारत, चीन, पाकिस्तान और तुर्की के साथ दोस्ती बढ़ाएं। पाकिस्तान से तो कुछ दिन पहले युद्ध हुआ है। पाकिस्तान और तुर्की मुस्लिम देश है। भारत में हिंदू संगठन मुसलमानो के विरोध में ही स्थापित हुए हैं। अब हिंदू संगठनों को मुसलमानो के साथ रहने और उनके साथ काम करने के लिए तैयार करना आसान नहीं है। वैसे हिंदू-मुस्लिम को साथ-साथ रहने मेलजोल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी प्रयास कर रहे हैं। लेकिन हिंदू संगठनों और उनके कार्यकर्ताओं के लिए मुसलमानों के साथ रहने और मेलजोल बढ़ाने की बात मानना इतना आसान नहीं होगा। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घरेलू मोर्चे पर आलोचना और विरोध सामने आ सकता है।

दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार- रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज से 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है और जनता को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि छोड़ा गया पानी दिल्ली पहुंचने में लगभग 72 घंटे लेगा और इसे निकालने के लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से पूरी कर ली गईं हैं।

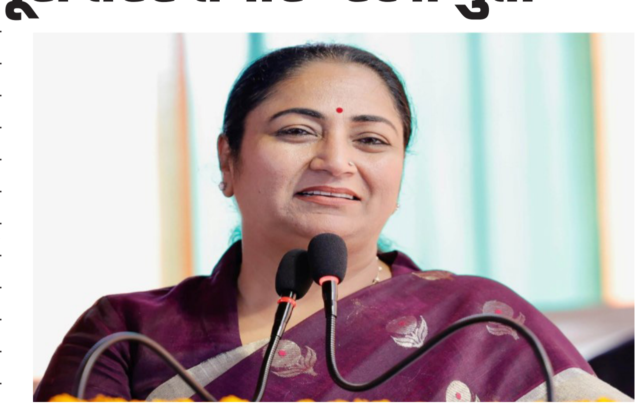

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले छह महीनों में यमुना की विशेष रूप से सफाई और डिसेल्टिंग का काम किया गया है। इसके कारण पानी के रुकने या ब्लॉकेज की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि यमुना के फ्लडप्लेन में जरूर पानी पहुंचेगा क्योंकि वहां जगह है, हालांकि इससे दिल्ली के अन्य हिस्सों में कोई बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनेगी। सीएम ने स्पष्ट किया कि 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से यमुना का जलस्तर 207 मीटर से थोड़ा ऊपर जा सकता है, लेकिन स्थिति खतरनाक नहीं होगी।

रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है और राहत-बचाव के लिए टीमें तैनात कर दी गई हैं। वहीं दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर लोगों को आश्वस्त किया। उन्होंने लिखा, "हथिनीकुंड से 3 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है और आज रात तक यह खतरे के निशान को पार कर सकता है। लेकिन घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार पूरी तरह अलर्ट है, टीमें जमीनी स्तर पर तैनात हैं और हम हर नागरिक की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।"

हिमाचल से उत्तराखंड तक होगी भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बाढ़ और भूस्खलन के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की संभावना है। भारतीय मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सोमवार और मंगलवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। विशेष रूप से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश का पूर्वानुमान है।" उन्होंने आगे कहा, "राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली और एनसीआर के आसपास के इलाकों में हैवी रेनफॉल एक्टिविटी रहेगी और एक-दो दिनों बाद मौसम नॉर्मल रहने का अनुमान है।"

आईएमडी के मुताबिक, अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। 1 सितंबर को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश (221 सेमी) होने की संभावना है। इसके अलावा, 3 से 6 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र और तटीय कर्नाटक में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

साथ ही, 4 और 5 सितंबर को गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक बारिश (221 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है। आईएमडी ने बताया कि जम्मू, मध्य प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर पिछले 24 घंटों में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 51.50 रुपए घटी, 1 सितंबर से प्रभावी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर कटौती की है। अब 19 किलो वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर दिल्ली में 1,580 रुपए में उपलब्ध होगा। इससे पहले 1 जुलाई को कंपनियों ने 58.50 रुपए की कटौती की थी और अगस्त की शुरुआत में 33.50 रुपए घटाए थे। यानी पिछले कुछ महीनों में लगातार दाम कम किए जा रहे हैं। जून में यह कीमत 1723.50 रुपए थी, जबकि अप्रैल में यह 1762 रुपए थी। फरवरी में 7 रुपए की मामूली राहत मिली थी, लेकिन मार्च में फिर 6 रुपए की वृद्धि हो गई थी।

हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत नहीं मिली है। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियों ने स्पष्ट किया कि केवल कमर्शियल सिलेंडर की दरों में ही संशोधन हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से होटल, ढाबा और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सीधा लाभ होगा, जो रोजाना खाना बनाने के लिए बड़े सिलेंडर का उपयोग करते हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दाम और बाजार की अन्य स्थितियों को देखते हुए हर महीने गैस की कीमतों की समीक्षा की जाती है।

इसी बीच केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एक और बड़ा निर्णय लिया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में, उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपए प्रति सिलेंडर (14.2 किलो) की सब्सिडी देने की मंजूरी दी गई है।

यह सब्सिडी साल 2025-26 के लिए होगी और अधिकतम 9 बार (रीफिल) के लिए मिलेगी। 5 किलो सिलेंडर लेने वालों के लिए यह सब्सिडी अनुपातिक रूप से लागू होगी।

इस फैसले पर सरकार कुल 12,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। उज्ज्वला योजना मई 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देना था। 1 जुलाई 2025 तक देशभर में करीब 10.33 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

विधानसभा में हंगामा, राहुल गांधी पर नारेबाजी

जयपुर। मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों ने "वोट चोर गद्दी छोड़" के नारे लगाए और तख्तियां लहराईं। जवाब में भाजपा विधायकों ने "गालीबाज राहुल गांधी" के नारे लगाए। स्पीकर ने दोनों पक्षों को शांत रहने की नसीहत दी और सदन की गरिमा बनाए रखने को कहा। इस बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झालावाड़ स्कूल हादसे में दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि न देने पर सवाल उठाया। कार्यवाही स्थगित कर दी गई, अब सदन बुधवार को चलेगा।

पीएम मोदी 2 सितंबर को 'सेमीकॉन इंडिया-2025' का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को गति देने के उद्देश्य से आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया – 2025' का उद्घाटन करेंगे। 2 से 4 सितंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारत में एक मजबूत, लचीले और टिकाऊ सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को एक बयान जारी इसकी जानकारी दी है। पीएम मोदी 2 सितंबर को सुबह लगभग 10 बजे यशोभूमि में 'सेमीकॉन इंडिया – 2025' का उद्घाटन करेंगे। वह 3 सितंबर को सुबह लगभग 9:30 बजे सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

इसमें सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम की प्रगति, सेमीकंडक्टर फैब और उन्नत पैकेजिंग परियोजनाएं, बुनियादी ढांचे की तैयारी, स्मार्ट विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवाचार, निवेश के अवसर, राज्य स्तरीय नीति कार्यान्वयन आदि पर सत्र होंगे।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना के तहत पहल, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डाला जाएगा।

इसमें 20,750 से ज्यादा प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें 48 से ज्यादा देशों के 2,500 से ज्यादा प्रतिनिधि, 50 से ज्यादा वैश्विक नेताओं सहित 150 से ज्यादा वक्ता और 350 से ज्यादा प्रदर्शक शामिल होंगे।

अगस्त में पहली बार यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा 20 अरब के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने अगस्त में अपने इतिहास में पहली बार 20 अरब लेनदेन को पार कर लिया। अगस्त में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 20.01 अरब के आंकड़े तक पहुंच गई, जो बीते महीने जुलाई के आंकड़े 19.47 अरब की तुलना में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वार्षिक आधार पर, यह 34 प्रतिशत की वृद्धि है।

मूल्य के संदर्भ में, यूपीआई ने अगस्त के दौरान 24.85 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन दर्ज किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, औसत दैनिक लेनदेन संख्या बढ़कर 64.5 करोड़ हो गई, जो कि जुलाई में 62.8 करोड़ दर्ज की गई थी। हालांकि, अगस्त में औसत दैनिक लेनदेन मूल्य 80,177 करोड़ रुपए रहा, जो कि जुलाई में 80,919 करोड़ रुपए था। यूपीआई ने इससे पहले 2 अगस्त को एक ही दिन में 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया था। यह उपलब्धि पिछले कुछ महीनों में लगातार हुई वृद्धि के बाद हासिल हुई है। अगस्त में यह उछाल रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध के बावजूद देखने को मिला।

जून में, यूपीआई से 24.04 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 18.40 अरब लेनदेन हुए। अगले महीने, इसमें 5.8 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई और यह 19.47 अरब लेनदेन तक पहुंच गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 25.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। एसबीआई रिसर्च के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अकेले जुलाई में 9.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ महाराष्ट्र डिजिटल भुगतान में लगातार अग्रणी रहा, उसके बाद 5.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ कर्नाटक और 5.3 प्रतिशत के साथ उत्तर प्रदेश का स्थान रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है, "कुल मूल्य लेन-देन में पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की हिस्सेदारी जून 2020 में मात्र 13 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2025 में 29 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि के दौरान, मात्रा में हिस्सेदारी 39 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत हो गई है, जो डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।" यूपीआई के नेतृत्व में डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहे हैं, जो कैश इन सर्कुलेशन (सीआईसी) की संख्या से कहीं अधिक है। मासिक औसत यूपीआई लेनदेन 24,554 अरब रुपए है, जबकि अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान सीआईसी की मासिक औसत वृद्धि 193 अरब रुपए है। लगभग 300 प्रमुख व्यापारी श्रेणी कोड हैं और एनपीसीआई ने केवल 29 प्रमुख एमसीसी के साथ शुरुआत की है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नेताओं का भ्रष्टाचार देश के लिए घातक !

राजस्थान प्रदेश के कददावर नेताओं के एक-दूसरे पर लेनदेन के आरोप प्रदेश और देश की राजनीति में गिरते स्तर की ओर इंगित करते हैं। राज्यसभा में प्रत्याशी को पैसे लेकर वोट देना, विधानसभा और संसद में किसी बिल या प्रस्ताव पर पैसे लेकर समर्थन करना, विधानसभाओं और संसद में पैसे लेकर प्रश्न पूछना राजनीति में आम बात हो गई है। वोट काटने के लिए पार्टी बनाकर उम्मीदवार खड़ा करना, मजबूत उम्मीदवारों को वोट काटकर हराना, वोटरों को प्रलोभन देना और उसके बदले कीमत वसूल करना जैसी गतिविधियां नेताओं में अक्सर देखी जा सकती हैं। राजनीति को वर्तमान नेताओं ने व्यवसाय बना दिया है। देश में राजनीति के कारण जितना नुकसान हो रहा है, उतना किसी और कारण से नहीं हो रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां, व्यवसायी नेताओं के जरिए अपने हित साध रहे हैं। वर्तमान में बड़ी-बड़ी कंपनियां और व्यवसायी देश की सरकार बनाने और बिगड़ने की स्थिति में पहुंच गए हैं। देश में कई बिजनेस घराने ऐसे हैं जिनके कारण सरकारें बन रही हैं और बिगड़ रही हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी कई बार आरोप लगा चुके हैं कि मोदी सरकार अडानी और अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। आरोप गंभीर हैं लेकिन कोई कुछ नहीं कह पा रहा है। सरकार में दखल रखने वाली कंपनियों को करोड़ों, अरबो रुपए के टेंडर आसानी से मिल रहे हैं। कंपनियों से सरकार में बैठे नेताओं और अधिकारियों को पैसा कमीशन के रूप में मिलता है। देश में खाद्य वस्तुएं, दवाइयां, कपड़े बड़े पैमाने पर घटिया या मिलावट करके बेचे जा रहे हैं। इन पर कोई कंट्रोल नहीं है या यह कहा जा सकता है कि सरकारी संरक्षण में यह सब किया जा रहा है। जनता बेबस है, कुछ नहीं कर पा रही है। पहले चुनाव में वोट देकर उम्मीदवार बदल देती थी। लेकिन अब जनता से भी वोट देकर नेता बदलने का अधिकार छीना जा रहा है। वोटर लिस्ट में फर्जी तरीके से वास्तविक वोटो को किसी न किसी बहाने हटा दिया जाता है और फर्जी वोटरों को जोड़ दिया जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि देश में लोकतंत्र की आड़ में धीरे-धीरे तानाशाही आती जा रही है। क्योंकि एक बार कोई भी नेता विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन जाता है। वह पहले तो हटना नहीं चाहता और कोई हटाने की कोशिश करता है तो किसी भी प्रकार पदों पर कब्जा करने की कोशिश करता है। नेताओं पर देश के कानून कुछ ज्यादा असर कारक नहीं है। भाजपा नेता और मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सांसद हनुमान बेनीवाल पर राज्यसभा उम्मीदवार पैसा लेकर वोट देने की बात कही। वैसे तो प्रकरण की जांच होनी चाहिए और कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। उसी तरह सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर खाद बीज व्यवसायिक ठिकानों पर छापे मारने का मकसद पैसा वसूली बताया। यह भी गंभीर आरोप है और जांच का विषय है। लेकिन कुछ होना जाना नहीं है। सरकार नेताओं के नियंत्रण में है और जांच करने वाली एजेंसी नेताओं के इशारों पर काम करती है। जांच एजेंसियां थोड़ी बहुत जांच विपक्षी नेताओं की जरूर कर सकती है लेकिन सत्ता पक्ष के नेताओं की ओर देखना उनके वश की बात नहीं है।

आपदाओं के बीच जवाबदेही का सवाल

-बदलते मौसम का बदलता मिज़ाज

बारिश, बाढ़ और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाएँ इंसान के लिए नई नहीं हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इनकी आवृत्ति और तीव्रता इतनी बढ़ गई है कि अब यह केवल "प्राकृतिक आपदा" कहकर टालने लायक मसला नहीं रहा। जब-जब बाढ़ आती है, लोग घर, ज़मीन, मवेशी, रोज़गार और अपनों को खो देते हैं। सरकारें राहत पैकेज घोषित करती हैं, नेता घटनास्थल का दौरा कर संवेदना जताते हैं और कुछ दिनों बाद सब सामान्य होने लगता है। लेकिन असल सवाल वहीं रह जाता है—इस तबाही के लिए जिम्मेदार कौन है? और जवाबदेही तय क्यों नहीं होती?

बदलता मौसम और बढ़ती आपदाएँ

असामान्य बारिश और बादल फटना: पिछले एक दशक में उत्तर भारत, विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में बादल फटने और असामान्य बारिश की घटनाएँ तेज़ी से बढ़ी हैं। यह अब महज़ संयोग नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन (Climate Change) और इंसानी हस्तक्षेप का सीधा नतीजा है। पहले बारिश का पैटर्न अनुमानित होता था, किसान अपनी फसलें उसी हिसाब से बोते थे। लेकिन आज कभी अत्यधिक बारिश, तो कभी सूखा—कृषि और जीवन दोनों को असुरक्षित कर रहा है।

ग्लेशियर और जलवायु परिवर्तन

वैज्ञानिकों के अनुसार वैश्विक तापमान (Global Warming) बढ़ने से हिमालय के ग्लेशियर असामान्य गति से पिघल रहे हैं। ये पिघले हुए पानी के स्रोत अचानक बढ़ती नदियों और झीलों का निर्माण करते हैं, जो मामूली झटके में भी टूटकर प्रलय ला सकते हैं। ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) आज नई आपदा का नाम है, जो हिमालयी राज्यों के लिए बड़ी चुनौती है।

जिम्मेदारी का सवाल: केवल प्रकृति नहीं, इंसान भी दोषी

पर्यावरण का अंधाधुंध दोहन: आधुनिकता की दौड़ में हमने जंगल काटे, नदियों को रोक दिया, पहाड़ों को विस्फोटकों से खोखला कर डाला। जहां पहाड़ मज़बूत थे, वहाँ सुरंगें बनाईं गईं, और जहां हरियाली थी, वहाँ कंक्रीट की इमारतें खड़ी कर दी गईं। इसका नतीजा यह हुआ कि पानी के प्राकृतिक रास्ते अवरुद्ध हो गए। अतिक्रमण और अनियोजित विकास शहरों और कस्बों में नालों के किनारे और नदी-घाटियों पर अवैध कॉलोनियाँ और बहुमंज़िला इमारतें खड़ी कर दी गईं। यह सब स्थानीय निकायों और प्रशासन की मिलीभगत के बिना संभव नहीं था। बारिश के दौरान जब पानी को निकलने का रास्ता नहीं मिलता, तो वह आवासीय इलाकों और खेतों में घुसकर भारी तबाही मचाता है।

खनन माफिया और निर्माण लाबी पहाड़ों को काटकर खनन करना, नदी की रेत का अवैध खनन, और प्राकृतिक संसाधनों का बेरोकटोक दोहन आपदा को न्योता देता है। खनन से नदियों का प्राकृतिक प्रवाह बदल जाता है, जिससे मामूली बारिश भी बाढ़ का रूप ले लेती है। माफियाओं और ठेकेदारों की यह करतूत आम जनता की जान-माल पर भारी पड़ती है।

किसानों और आम आदमी पर असर

खेती-बाड़ी की बर्बादी

किसान पहले सूखे से डरता था, अब बाढ़ से भी डरता है।

मूसलधार बारिश से धान, मक्का, गन्ना, सब्ज़ियाँ—सबकी फसलें चौपट हो जाती हैं।

खेतों में महीनों की मेहनत कुछ घंटों में मिट्टी में मिल जाती है।

रोज़गार और जीवन पर असर

बाढ़ग्रस्त इलाकों में सड़कें और पुल बह जाते हैं, जिससे आवागमन ठप हो जाता है। काम-धंधा, बाज़ार और शिक्षा सब बंद हो जाते हैं। गरीब और मज़दूर वर्ग सबसे ज़्यादा प्रभावित होता है क्योंकि उनके पास न तो बचत होती है और न ही वैकल्पिक रोज़गार।

सरकार और प्रशासन की भूमिका केवल राहत पैकेज क्यों? हर बार आपदा आने के बाद सरकार मुआवज़ा और राहत की घोषणा करती है। लेकिन असली काम—आपदा से पहले तैयारी और रोकथाम—हमेशा अधूरा रहता है। नालों की सफाई, बांधों की मजबूती, पहाड़ी इलाकों में निर्माण पर नियंत्रण जैसे उपाय अक्सर केवल कागज़ों में होते हैं।

आपदा प्रबंधन तंत्र की खामियाँ

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और राज्य स्तरीय एजेंसियाँ मौजूद हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर उनकी सक्रियता नगण्य है। अक्सर राहत दल देर से पहुँचते हैं, जिससे नुकसान और बढ़ जाता है। तकनीक (जैसे रडार, मौसम पूर्वानुमान) उपलब्ध होने के बावजूद चेतावनी समय पर गाँव-गाँव नहीं पहुँच पाती।

जवाबदेही तय क्यों नहीं होती?

जब पुल गिरता है, तो ठेकेदार और इंजीनियर कौन था—इसका कोई रिकॉर्ड नहीं ढूँढा जाता। जब नाले अवरुद्ध होते हैं, तो नगर निगम किसे दोषी ठहराता है—इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती। नतीजा यह कि हर बार आपदा आने के बाद वही ग़लतियाँ दोहराई जाती हैं।

समाज और नागरिकों की जिम्मेदारी

केवल सरकार पर निर्भरता पर्याप्त नहीं: अगर हम नागरिक खुद भी लापरवाह रहें, तो आपदा का असर और बढ़ जाएगा। नालों में कचरा डालना, अवैध निर्माण करना, और पेड़ों की कटाई में चुप रहना—ये सब हमारी भी जिम्मेदारियाँ हैं।

पर्यावरण-सुरक्षा को अपनाना

हर नागरिक को यह समझना होगा कि पेड़ लगाना, पानी बचाना और प्लास्टिक कम करना केवल सरकारी नारा नहीं, बल्कि ज़िंदगी का सवाल है। छोटे स्तर पर किए गए ये काम बड़े स्तर पर आपदा रोकने में सहायक होंगे।

वैश्विक दृष्टिकोण और भारत

दुनिया के कई देशों ने आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। जापान भूकंप और सुनामी के बावजूद मजबूत चेतावनी तंत्र और आपदा प्रशिक्षण से जनहानि कम करने में सफल हुआ है। भारत को भी यही सीखना होगा कि आपदा के बाद राहत से ज़्यादा आपदा से पहले रोकथाम पर ध्यान दिया जाए।

समाधान और सुझाव

सख्त कानून और अमल: नदियों और नालों पर अतिक्रमण हटाया जाए।

विकास और पर्यावरण का संतुलन: सुरंग, सड़क और पर्यटन परियोजनाओं से पहले पर्यावरणीय असर का वैज्ञानिक मूल्यांकन हो। खनन और रेत निकासी पर सख्ती हो। आपदा प्रबंधन को मज़बूत करना गाँव स्तर तक चेतावनी प्रणाली बनाई जाए। राहत दलों को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाए। जनजागरूकता और शिक्षा": स्कूल-कॉलेजों में आपदा शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। नागरिकों को बताया जाए कि बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाओं में तुरंत क्या कदम उठाने चाहिए।

स्थानीय समुदाय की भागीदारी: हर गाँव और कस्बे में आपदा प्रबंधन समिति हो। स्थानीय लोगों को आपदा नियंत्रण की ट्रेनिंग दी जाए। आज जब बादल फटने, बाढ़ और असामान्य बारिश की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं, तो इसे केवल "प्रकृति का प्रकोप" कहकर टालना हमारी सबसे बड़ी भूल होगी। सच यह है कि प्रकृति से छेड़छाड़, अंधाधुंध विकास, अवैध निर्माण और प्रशासनिक लापरवाही इस तबाही के पीछे उतने ही ज़िम्मेदार हैं जितना कि जलवायु परिवर्तन। अगर सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर ईमानदारी से जवाबदेही तय करें और ठोस कदम उठाएँ, तभी हम आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। अन्यथा, हर साल यही दृश्य दोहराया जाएगा—बारिश आएगी, बाढ़ आएगी, लोग मरेंगे, मुआवज़ा मिलेगा और फिर सब भूल जाएंगे।

आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और चेतावनी तंत्र

आज जब बादल फटने, बाढ़ और असामान्य बारिश की घटनाएँ बार-बार सामने आ रही हैं, तो यह केवल एक चेतावनी नहीं बल्कि भविष्य का भयावह संकेत है। मौसम वैज्ञानिक लगातार अलर्ट जारी करते हैं, लेकिन ये अलर्ट समय रहते गाँव-गाँव और कस्बों तक पहुँच ही नहीं पाते। कई बार तो प्रशासन खुद भी यह मानकर चलता है कि चेतावनी केवल काग़ज़ी औपचारिकता है। नतीजा यह होता है कि लोग अचानक आने वाली तबाही के लिए मानसिक या शारीरिक रूप से तैयार नहीं हो पाते।

व्यक्तित्व

कमल कटकी

उत्कृष्ट भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ थे 'भूपेन दा'

मुझे लगता है कि समग्र विश्व में ऐसा कोई कलाकार नहीं होगा- जिसके पास गायक, गीतकार, संगीतकार, कहानी लेखक, निबंधकार, नाटककार, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक, फिल्म निर्माता, संगीत निर्देशक, अभिनेता, पत्रकार, साहित्यकार, पत्रिका संपादक, पुस्तक पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, बुद्धिजीवी आदि सभी गुण एक साथ हों। ऐसा ही एक व्यक्ति हैं डॉ. भूपेन हाजरिका। 1984 से भूपेन दा के एक गिटार वादक के रूप में 5 नवंबर 2011 को महाप्रयाण के दिन तक, अपने पच्चीस वर्षों से अधिक समय की निकटता के दौरान हर एक क्षण में, मैंने बहु-प्रतिभाशाली, बहुआयामी कर्मयोगी, भूपेन दा को करीब से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। 8 सितंबर, 1926 को उस समय के नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर के अधीन तथा आज के अरुणाचल प्रदेश की तलहटी में स्थित एक छोटे से शहर सदिया से अपनी जीवन यात्रा की शुरुआत करने वाले भूपेन दा अपनी जीवन परिक्रमा को कठोर संघर्ष, सुख-दुख, उतार-चढ़ाव के बीच आगे ले जाते हुए खुद को एक वैश्विक कलाकार के रूप में स्थापित करना इतना आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने अपनी गुणवत्तापूर्ण गीत-संगीत की रचनाओं के माध्यम से आम लोगों का दिल जीतने में सक्षम हुए थे। भूपेन दा की चिरस्थायी वैश्विक लोकप्रियता केवल उनके गीतों के कारण ही है, ऐसी बात नहीं है। मेरी दृष्टि में, भूपेन दा एक बरगद के पेड़ की तरह विशाल हृदय के व्यक्तित्व के धनी थे और इस पेड़ की जड़ें खारखोआ (मूल) असमिया थे, पूरे पेड़ समग्र भारत था और पेड़ की शाखाएं, उप-शाखाएं, पत्ते आदि विश्व-उन्मुख थे। बिहू, ब्रह्मपुत्र और भूपेन- अंग्रेजी वर्णमाला के तीन अक्षरों से समृद्ध इन शब्दों ने आज भी असम का परिचय विश्व के सामने उजागर करती है। भूपेन दा के सहयोगी के रूप में काम करने के कारण, असम के अलावा दुनिया भर के कई जाने-माने कलाकारों और हस्तियों से मिलने का अवसर मुझे मिला। लेकिन भूपेनदा जैसे महान व्यक्तित्व की सुगंध मुझे उनमें नहीं मिली। हमारे जैसे आम लोगों के लिए भूपेन दादा को समझ पाना मुश्किल है। उनमें विभिन्न रूपों का एक अद्भुत संयोजन था। क्रोध उनके जीवन का हमसफर जैसा था, ठीक उसी तरह जैसा उनके साथ हमेशा अपनी प्यारी मुस्कान रहती, जैसे धान के खेत की पराली तुरंत जलते ही थम जाती है, गुस्सा भी उसी तरह तुरंत गायब हो जाता है। पैसे के प्रति उनमें तनिक भी मोह नहीं था। उन्होंने मुझे कभी यह नहीं पूछा कि "फलाँ कार्यक्रम में गाने के लिए तुम्हें कितना मानदेय मिला?" या "मैं गाकर कितना कमा पाया?" यहां तक कि कार्यक्रम से संबंधित आय-व्यय का हिसाब-किताब जानने की कोशिश भी उन्होंने कभी नहीं की। पैसों के प्रति उनकी उदासीनता इतनी थी कि एक बार गुवाहाटी में आयोजित लता मंगेशकर के संगीत-प्रदर्शन का भारी-भरकम मानदेय लेकर भूपेन दा ने वह पैसों का थैला मुम्बई की टैक्सी में ही भूलकर छोड़ दिया था। धन के जोड़-घटाव से भूपेन दा का कोई लेना-देना नहीं था, वे जानते थे तो केवल शब्द और सुर का जोड़-घटाव, जनता से संवाद का जोड़-घटाव। आम लोगों के बीच रहकर असाधारण जीवन जीकर उन्हें बहुत संतोष मिलता था। साधारण जन के बीच रहकर खुश रहने वाले इस असाधारण भूपेन हजारिका ने समय से आगे चलकर अपनी जीवन-यात्रा को गहन आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाया और असम सहित सम्पूर्ण भारत में स्वयं को एक चिरस्मरणीय संगीतकार के रूप में स्थापित कर गए। राजपथ के किनारे आराम कर रहे रिक्शा चालक से वे कभी एक चुटकी खैनी लेकर अचानक ही गाने लगते थे -"मानुहे मानुहर बाबे, जदीहे अकनो ना भाबे"। उस क्षण कोई सोच भी नहीं सकता था कि ये वही भूपेन हाजरिका हैं जिन्होंने पचास के दशक में कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में जब भूपेन दा को डॉक्टरेट की उपाधि दी गई, तब डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था - 'डॉ. हज़ारिका, मैं हमेशा आपके जैसा बनना चाहता हूँ। लेकिन मैं आपके जैसा कैसे बन सकता हूँ?' तेजपुर विश्वविद्यालय ने इन दोनों महापुरुषों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की थी। भूपेन दा के महाप्रयाण के कुछ दिन पहले स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने भूपेन दा को दीपावली की शुभकामनाएं भेजते हुए जीवन-संघर्ष में विजय पाने का उत्साह दिया और कहा था- 'सभी उत्कृष्ट भारतीयों में आप सर्वश्रेष्ठ हैं।' मेरी नजर में भूपेन दा एक ऐसे ही व्यक्तित्व थे।

(लेखक प्रसिद्ध संगीतज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

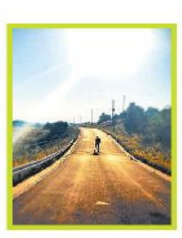

संकलित

दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

ऐसे काम न करें, जिनसे गलत संदेश जाता है

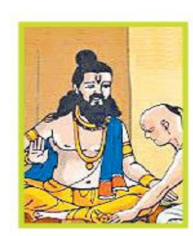

संकलित

प्रेरणा

गुरुजी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

सोरहिया मेला

वाराणसी में 16 दिनों तक चलने वाले सोरहिया मेले के दौरान लोग अनुष्ठान करते हुए।

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा।

- विकास लाहोटी, रायगढ़

ट्रेंड

'प्रतिभा सेतु' प्लेटफार्म

यूपीएससी की अलग-अलग परीक्षाओं में जो होनहार प्रतिभागी आखिरी मेरिट लिस्ट का हिस्सा नहीं बन पाते, उनके लिए 'प्रतिभा सेतु' डिजिटल प्लेटफार्म बनाया गया है। यह बहुत खुशी की बात है कि इसकी मदद से उन्हें नए अवसर मिलने लगे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निर्यात में गिरावट की आशंका

अमेरिकी टैरिफ से निर्यात में गिरावट की आशंका के कारण राजस्थान के हैंडीक्राफ्ट निर्यातक भी परेशान हैं। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं कारीगरों एवं श्रमिकों के रोजगार पर भी पड़ेगा। केंद्र सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द ठोस कदम उठाने होंगे।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

चीन पर निर्भरता

चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

संवैधानिक ज़िम्मेदारी

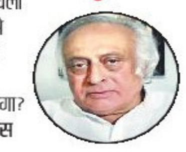

गुजरात में भी बड़े पैमाने पर वोटों में धांधली का पर्दाफाश हुआ है। चुनाव आयोग ऐसे मामलों पर प्रतिक्रिया देने व उनकी जाँच करने की अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी निभाएगा या फिर यूँ ही चुपचाप बैठा रहेगा?

-जयराम रमेश, सांसद, कांग्रेस

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

मैक्रों के फैसले से इजराइल और अमेरिका हुए नाराज

फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निर्णय के बाद अन्य पश्चिमी देशों ने भी इसी प्रकार के कदम उठाए जिसे लेकर इजराइल और उसके सहयोगी अमेरिका में नाराजगी है। इस फैसले ने गाजा में जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों के केंद्र में दो-राष्ट्र समाधान को एक बार फिर से ला खड़ा किया। पिछले सप्ताह इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लिखे एक पत्र में राष्ट्रपति मैक्रों ने लिखा, "फलस्तीनी जनता को उनका अपना राष्ट्र दिलाने के हमारे संकल्प की जड़ें इस विश्वास से जुड़ी हैं कि स्थायी शांति इजराइल की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। मैक्रों ने कहा, फ्रांस के कूटनीतिक प्रयास गाजा में उस भयावह मानवीय आपदा पर हमारे आक्रोश से उत्पन्न हुए हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं हो सकता। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के साथ शुरू हुए युद्ध में अब तक 63,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और माल्टा ने कहा है कि वे 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के दौरान फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के अपने संकल्प को औपचारिक रूप देंगे।

ऑफ बीट

एआई को प्रशिक्षित करने का डेटा खत्म हो सकता है

जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अपनी लोकप्रियता के चरम पर पहुंच रही है, शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि उद्योग में प्रशिक्षण डेटा खत्म हो सकता है - वह ईंधन जो शक्तिशाली एआई सिस्टम चलाता है। यह एआई मॉडल, विशेष रूप से बड़े भाषा मॉडल के विकास को धीमा कर सकता है, और एआई क्रांति के प्रक्षेपवक्र को भी बदल सकता है। लेकिन वेब पर डेटा की मात्रा को देखते हुए, डेटा की संभावित कमी एक मुद्दा क्यों है? और क्या जोखिम से निपटने का कोई तरीका है? एआई के लिए उच्च गुणवत्ता वाला डेटा क्यों महत्वपूर्ण है? शक्तिशाली, सटीक और उच्च गुणवत्ता वाले एआई एल्गोरिदम को प्रशिक्षित करने के लिए हमें बहुत सारे डेटा की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, चैटजीपीटी को 570 गीगाबाइट टेक्स्ट डेटा या लगभग 300 अरब शब्दों पर प्रशिक्षित किया गया था। इसी तरह, स्थिर प्रसार एल्गोरिथ्म (जो डीएएलएल-ई, लेंसा और मिडजर्नी जैसे कई एआई छवि-जनरेटिंग ऐप्स के पीछे है) को 5.8 अरब छवि-पाठ जोड़े वाले एलआईएओएन-5बी डेटासेट पर प्रशिक्षित किया गया था। यदि किसी एल्गोरिदम को अपर्याप्त मात्रा में डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, तो यह गलत या निम्न गुणवत्ता वाले आउटपुट उत्पन्न करेगा।

धार्मिक भावनाओं का सम्मान तो क्यों बंद नहीं हुई शराब की दुकान

-आस्था तो बहाना है मुसलमानों को डराना है

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की भजनलाल सरकार नए-नए अच्छे-अच्छे फैसले लेकर जनता की भलाई के लिए, राजस्थान की प्रगति के लिए पूर्ण योगदान देने की कोशिश कर रही है।और उनके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। धीरे-धीरे काम धरातल पर दिखाई देते हुए नजर आएंगे। 5 साल में बहुत कुछ बदलने वाला है। और जो कभी नहीं हुआ था। वह भी होने वाला है। सरकार का फैसला!सोच अपनी-अपनी! इस पर चिंतन करना बहुत जरूरी है। राजस्थान सरकार के द्वारा इस वर्ष एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया। बूचड़खाने, मांस, मछली, अंडे की दुकानों को बंद रखने का। सरकार का कहना है कि धार्मिक संगठन एवं श्रद्धालुओं की मांग पर और आस्था के नाम पर जो अभी तक राजस्थान में किसी भी सरकार द्वारा नहीं लिया गया था। फिर भी इस सरकार के द्वारा फैसला लिया गया। फिर भी लोगों ने खास तौर से मुस्लिम समाज ने राजस्थान सरकार का सराहनीय कदम माना। लेकिन,आधा अधूरा होने के कारण गरीबों के दिलों को जख्मी कर गया। 27 अगस्त 2025 पर्यूषण पर्व जैन समाज से संबंधित है। जबकि गणेश चतुर्थी को पूरा हिंदुस्तान जानता है। उसका उल्लेख नहीं किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि, जैन समाज को खुश करने के लिए यह कदम उठाया गया है।ऐसा लोगों का कहना है। दूसरा 6 सितंबर 2025 को अनंत चतुर्दशी है। जिस पर कभी भी प्रदेश में बूचड़खाने,मांस, मछली ,अंडे की दुकानें बंद नहीं हुआ करती थी। धार्मिक भावना की आड़ में गरीबों को आर्थिक रूप से मारा जा रहा है। क्योंकि मीट और अंडे की दुकानें खास तौर से गरीब तबके के लोगों की हैं। 2 दिन की बंदी सीधे जेब पर अटैक करती हैं। दूसरी तरफ शराब कारोबार एवं ठेकों से सरकार को करोड़ों की रॉयल्टी मिलती है। अमीरों की शराब की दुकानों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जबकि लड़ाई ,झगड़े और गृह क्लेश की जड़ शराब है। उसको छूट दी गई है। यह समझ से परे है। प्रदेश की जनता राजस्थान सरकार के इस निर्णय पर,मनसा पर,संदेह प्रगट कर रही है। सरकार की आस्था पर सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। जनता सरकार के इस निर्णय को ईमानदारी की कसौटी पर आधा अधूरा मान रही है। अब सवाल खड़ा होता है कि आस्था की विनय पर क्या राजस्थान सरकार सभी की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करेगी! क्या 5 तारीख को मुस्लिम समाज के त्यौहार मिलाद-उन- नबी पर शराब की दुकानों पर प्रतिबंध लगाएगी ! सरकार से सवाल बनता है कि जो कदम देश समाज और धर्म के नाम पर उठाया गया है। वह तब ही पूरी तरह सार्थक होगा। जब इस की संवेदनशीलता हर वर्ग, हर बुराई, और हर व्यक्ति के लिए समान हो। चाहे वह गरीब हो या मजदूर हो या शराब कारोबारी हो। अब देखने की बात यह है कि देश की राजनीतिक पार्टियां आस्था के नाम पर जनता को इसी तरह गुमराह कर राजनैतिक रोटियां सेंकती रहेगी। या सभी धर्म की आस्था का सम्मान करेंगी।

1500 साला जश्ने मक़सदे विलादत के साथ मनाना जरूरी है - मौलाना वली मुहम्मद शेरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । इस दुनिया में हमारे ऊपर अल्लाह तबारक व ताआला के बेशुमार एहसानात है। उनमें से सबसे बड़ा एहसान आखरी नबी की उम्मत में पैदा फरमाकर कुरान जैसी अजीम किताब-ए-हिदायत अता फरमाई हमारे नबी पर हर तरह के जुलमों सितम ढाऐ गये मक्का वालों ने कांटे बिछाऐ ताइफ वालों ने पत्थर मारे लेकिन हुजूर ने किसी से बदला नहीं लिया, बल्कि अल्लाह तआला से उनकी हिदयात के लिये दुआ मांगी क्योंकि आप सल्लल्लाओ तआला अलैहे वसल्लम इस कायनात के लिये रहमत बनकर तशरीफ लाये हम जब भी हुजूर की सीरत पर बात करते हैं तो फतह मक्का के दिन बड़े-बड़े पापियूं और दुश्मनों को आम माफी का ऐलान करने वाले रहमतुलल्लिआलमीन नजर आते हैं। आप अखलाक व किरदार का आला नमुना और हिदायत का सरचश्मा थे। लिहाजा हम सब मिलमर 1500 साला प्यारे नबी की विलादत पर बेसहारों के लिये सहारा बेवाओं यातीमों मजलूमों और खास तौर से वह जवान बेटियों जिनके माँ-बाप गरीब हैं। उनकी इज्तिमाई शादी और गरीब बच्चों के लिये तालीम हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज का इन्तिजाम और जगह-जगह लंगरे रसूल तकसीम करके हुजूर की गुलामी का सुबूत पेश करके अजरो सवाब हासिल करें। यह बात रविवार को ख्वाजा नगर अमृतपुरी में स्थित मदरसा गुलशने हुसैन में आयोजित प्रोग्राम में काज़ी ए अहले सुन्नत हाफिज मौलाना वली मुहम्मद शेरी खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद ने कही अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत के सदस्य हाजी अब्दुल मुगनी पाटी अन्सारी, हाजी मोहम्मद कासिम अन्सारी, हाजी अब्दुल मुस्तफा अन्सारी (तंजेनाईट), फरीदउद्दीन अन्सारी, अब्दुल मुगनी अन्सारी, हाजी मोहम्मद जावेद अन्सारी, माईनुद्दीन अन्सारी, मोहम्मद आरिफ अन्सारी, हाजी मोहम्मद याकूब मन्सूरी, हाजी अब्दुल अजीज मन्सूरी, हाजी मिर्जा रजा अहमद ने बताया के हर साल की तरह इस साल भी 1500 साला जुलूस-ए- मीलादुन्नबी 5 सितम्बर 2025 बाद नमाजे जुमआ नूरानी मस्जिद से निकाला जाऐगा। वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने बताया 1500 साला जुलूस-ए-मीलादुन्नबी का हर चौराहे पर इस्तिकबाल होगा। बड़ी तादाद में आशिकाने रसूल शिरकत करेगें। जुलूस तोपखाने के रास्ते से माथुरा वालों की हवेली के सामने पहुंचेगा। जहाँ हर साल की तरह माथूरा वालों की जानिब से जुलूस का इस्तिकबाल होगा। उसके बाद जुलूस करबला पहुंचेगा फिर बाद नमाजे मगरीब दुआ होगी।

वकी अहमद बने अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता

-वर्तमान में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में वरिष्ठ रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हारून खान ने समर्पित कर्मचारी नेता वकी अहमद को अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान संघटन का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। वकी अहमद वर्तमान में एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर में वरिष्ठ रेडियोग्राफर के पद पर कार्यकर्ता है एवं रेडियोग्राफर सोसायटी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष भी है। वकी अहमद को अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ में प्रदेश प्रवक्ता बनने पर जयपुर जिला अध्यक्ष मोहम्मद उमर कोटा जिला अध्यक्ष गुलमोहम्मद अंसारी अलवर जिला अध्यक्ष यासीन खान जोधपुर जिला अध्यक्ष इकबाल अली रंगरेज पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष उजागर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंदर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद मसीह वरिष्ठ नेता आरिफ चहेड़िया पूर्व सेकेट्री मदरसा बोर्ड सऊद अख्तर अब्दुल रज्जाक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत सीनियर एडिशनल डायरेक्टर जीपीएफ विभाग सहित आदि पदाधिकारियों ने मुबारकबाद दी।

शिप्रापथ और मानसरोवर में साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए जयपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया कि पुलिस ने शिप्रापथ और मानसरोवर थाना क्षेत्रों में सक्रिय दो बड़े साइबर फ्रॉड गिरोहों का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि ये गिरोह भोले-भाले लोगों को निशाना बनाकर ठगी करते थे। इस कार्रवाई को पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। डीसीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस ऑपरेशन से जुड़ी और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस तरह की साइबर ठगी को रोकने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है और जनता को भी ऑनलाइन लेन-देन में सतर्क रहने की सलाह दी। इस कार्रवाई से साइबर ठगों के हौसले पस्त होने की उम्मीद है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी 5 सितंबर को

-4 सितंबर होगे विभिन्न कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन, जश्ने ईद मिलादुन्नबी की तैयारियाँ जयपुर में जोरों पर हैं। आयोजकों ने बताया कि यह पर्व 5 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा, जबकि इससे जुड़े विभिन्न कार्यक्रम 4 सितंबर से ही शुरू हो जाएँगे। आयोजकों ने बताया कि इस बार के जश्न में पैगंबर साहब के जीवन परिचय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि लोग उनके संदेशों और शिक्षाओं को समझ सकें। आयोजन की शुरुआत 30 अगस्त की रात बड़ी चौपड़ पर होने वाले एक भव्य 'नातिया मुशायरे' से होगी, जिसमें मशहूर शायर अपनी रचनाएं पेश करेंगे।पर्व का मुख्य कार्यक्रम 5 सितंबर को होगा, जब 'जुलूस-ए-मोहम्मदी' निकाला जाएगा। इस जुलूस के लिए कुछ खास नियम तय किए गए हैं। आयोजकों ने बताया कि जुलूस में डीजे और दुपहिया वाहनों पर पाबंदी रहेगी, ताकि जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

जुलुस-ए-मुहम्मदी का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इण्डिया उलमा व मशाईख बोर्ड फैजाने गरीब नवाज कमेटी, कुरैशी कॉलोनी, चाँदपोल के को-ओर्डीनेटर हाजी सगीर अहमद (लल्लू भैया) के अनुसार 1500वां जश्ने ईद मिलादुल नबी के मौके पर जुलुस-ए-मुहम्मदी का 5 सितम्बर, 2025 को आयोजन किया गया है । जुलुस-ए-मुहम्मदी कालवाड, बैनाड, झोटवाडा, खातीपुरा, भांकरोटा, हसनपुरा 4 नं. डिस्पेन्सरी, सोडाला, गुर्जर की थड़ी, सी स्कीम, बाईस गोदाम, हथरोई, जालूपुरा, हमीद नगर तोपखाने का रास्ता, हाजी कॉलोनी, नाहरी का नाका, पानी पेच, भटटा बस्ती, विद्याधर नगर, शास्त्री नगर का इस्तकबाल कुरेशी कॉलोनी संजय सर्किल चाँदपोल पर होगा। संजय सर्किल चाँदपोल से कुरैशी कॉलोनी के नेतृत्व में शाम 4 बजे रवाना होते हुए बगरू वालों के रास्ते से छोटी चोपड़, बड़ी चौपड़, रामगंज, चौपड़, चार दरवाजा, सुभाष चौक, रामगढ़ मोड़ से कर्बला पहुंचेगा।

दोस्ताना ग्रुप की गोठ आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दोस्ताना ग्रुप की ओर से मौसम-ए-बहार दोस्ताना गोठ का आयोजन 28 अगस्त गुरूवार को लाल बहादुर शास्त्री नगर में किया गया । इस गोठ में दोस्ताना ग्रुप के अध्यक्ष रशीद खान (गुन्सी भाई), उपाध्यक्ष मोहम्मद रमज़ान खान, सचिव अय्यूब खान, उप सचिव जमील खान, कोषाध्यक्ष मेहबूब अली, उप कोषाध्यक्ष मेहबूब खान, सलाहकार मंत्री ज़ाकिर अली (जक्की) के साथ-साथ सैकड़ों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । गोठ के दौरान फ़िल्मी गानों का एक रंगा-रंग कार्यक्रम भी रखा गया । जिसमें आये हुए सभी लोगों ने आनन्द लिया और पूरा पंडाल गानों के साथ झूमता रहा । गोठ में शामिल सभी लोगों ने इस कार्यक्रम की खूब वाहवाही की गई ।

शिव शक्ति कॉलोनी की जनता सड़कों पर होटल द्वारा रास्ता बंद करने के विरोध में प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर की शिव शक्ति कॉलोनी के निवासियों ने एक होटल द्वारा सार्वजनिक रास्ता बंद करने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह घटना जयपुर के जोरावर सिंह गेट इलाके में हुई, जहाँ गुस्साए लोगों ने सड़कों पर उतर कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि होटल प्रबंधन ने कोर्ट से मिले 'स्टे' के बावजूद रास्ते को बंद कर दिया है। इसे उन्होंने न्यायपालिका को एक खुली चुनौती बताया। निवासियों का कहना है कि होटल की इस मनमानी से उनके आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और कोर्ट के आदेश का पालन कराने की मांग की है। वे चाहते हैं कि उनके लिए बंद किया गया रास्ता जल्द से जल्द खोला जाए।

अनुसूचित जाति विभाग की अध्यक्ष ममता भूपेश ने कार्यभार ग्रहण किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की नव-नियुक्त अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने सोमवार को समारोह पूर्वक कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर तोतूका भवन, जयपुर में आयोजित समारोह में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्तागण शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि आज दोहरी खुशी का अवसर है कि पूर्व मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने प्रदेश कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग का कार्यभार ग्रहण किया है और विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम भी इस अवसर पर मौजूद है। उन्होंने कहा कि इसी स्थान पर माननीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि राजस्थान में कांग्रेस का सबसे अच्छा संगठन बना है और यह संगठन आज जो सैकड़ो की संख्या में सामने कांग्रेस के योद्धा खड़े हैं जो हमेशा पार्टी के लिए संघर्ष करते हैं, यह संगठन उनके कारण बना है। उन्होंने कहा कि आज देश में जो माहौल है वह सभी ने देखा है लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने संविधान बदलने की बात की थी और हमारे नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी को आईना दिखा दिया कि संविधान कोई नहीं बदल सकता है, क्योंकि संविधान लोगों की आत्मा है और हमारा देश इस संविधान के आधार पर ही चलता है, केंद्र सरकार मनमर्जी से संविधान बदलने का कार्य नहीं कर सकती। इसी मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी को केवल 240 सीटों पर ही रोकने का काम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस ने किया था। उन्होंने कहा कि आज देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए राहुल गांधी "वोटर अधिकार यात्रा" निकाल रहे हैं और पूरा देश "वोट चोर-गद्दी छोड़" का नारा लगा रहा है क्योंकि जिस वोट की आजादी हमारे संविधान में दी थी उसे बचाने के लिए और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए आज संघर्ष करना पड़ रहा है। जब तक आम आदमी स्वतंत्रता से अपना वोट नहीं देगा अपने विचार व्यक्त नहीं कर सकेगा तब तक देश तरक्की नहीं कर सकेगा।

डोटासरा ने कहा कि श्रीमती ममता भूपेश किसी परिचय की मोहताज नहीं है। मंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा में माकूल जवाब देने का कार्य किया। सदन में कभी भारतीय जनता पार्टी के विधायक हावी नहीं हो सके ऐसी कुशल नेत्री को अनुसूचित जाति विभाग की जिम्मेदारी सौंपना फक्र की बात है इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम साधुवाद के पात्र है कि उन्होंने प्रदेश कांग्रेस से सलाह कर श्रीमती ममता भूपेश को अनुसूचित जाति विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि अब श्रीमती ममता भूपेश की जिम्मेदारी है कि प्रदेश भर में गांव-गांव, ढाणी-ढाणी जाकर लोगों के दुःख, दर्द में शामिल होकर पार्टी की बेहतरी के लिए कार्य करते हुए जो जिम्मेदारी मिली है उस पर खरा उतरे और पार्टी में लम्बे समय से कार्य कर रहे और सक्रिय कार्यकर्ताओं को अपनी टीम में जगह देकर अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि 2014 में जब पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए के प्रत्याशी के रूप में आए थे तो बड़े-बड़े वादे किए थे, उन्होंने कहा था कि प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार देंगे, काला धन लाएंगे, 15-15 लाख रुपये सभी के खातों में डाले जाएंगे लेकिन जब दूसरा चुनाव आया तो 70 साल का हिसाब मांगने वालों ने अपने 5 साल का हिसाब नहीं दिया और सेना के शौर्य के पीछे छुपकर सत्ता हथिया ली और तीसरे चुनाव में 10 साल का हिसाब देने की बजाय केवल वोट चोरी और संविधान बदलने की बात की और मुश्किल से सत्ता में बैठे। वोट चोरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जनता के सामने उजागर कर दिया है और अब पूरे देश में वोट चोर-गद्दी छोड़ का नारा लग रहा है।

उन्होंने कहा कि वह सौभाग्यशाली है कि उन्हें एक ऊर्जावान और कांग्रेस के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम मिली है। अनुसूचित विभाग प्रदेशभर में कार्य कर सक्रिय और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को अपने विभाग के माध्यम से आगे लाने का कार्य करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के सहयोग के लिए हमेशा खड़ी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों की रक्षा के लिए अनुसूचित जाति वर्ग हमेशा तैयार एवं तत्पर रहा है और संविधान की रक्षा के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार रहता है।

बगरू में हुआ करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन

- 4 हजार से ज्यादा आशार्थियों ने लिया भाग, मौके पर ही मिला नियुक्ति पत्र
- 60 निजी नियोजकों ने 3 हजार 500 रिक्तियों के लिए युवाओं को दिया मौका

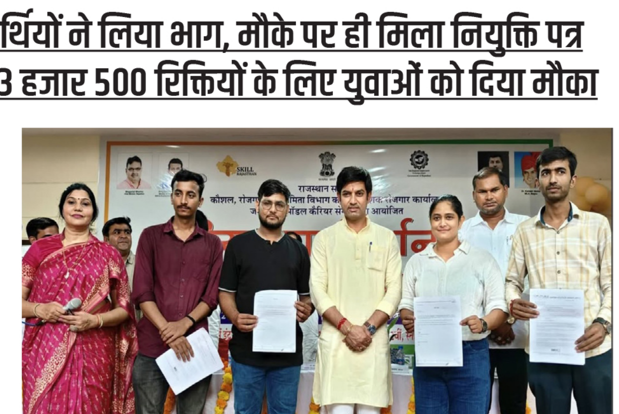

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं राजकीय महाविद्यालय, बगरू के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन राजकीय महाविद्यालय, बगरू परिसर में किया गया। शिविर का शुभारंभ बगरू विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने किया। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर की उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया भारी बारिश के बावजूद शिविर में कुल 4 हजार 207 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से जुड़े 60 निजी नियोजक अपनी 3 हजार 500 रिक्तियों के साथ उपस्थित हुए। मौके पर ही 1 हजार 105 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया तथा 343 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कुल 1 हजार 448 अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में स्वरोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। साथ ही इस अवसर पर उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने रोजगार विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर 10 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा रोजगार सृजन में योगदान देने वाले 5 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया। विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति एवं युवा शक्ति ही विश्व को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सफलता की सीढ़ी बनाएं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी वर्षों में 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियां तथा करीब 1 लाख 50 हजार निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। इस आयोजन में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कनिष्ठ रोजगार अधिकारी चंद्रप्रकाश मीणा सहित अन्य कार्मिकों का योगदान रहा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेन्द्र वर्मा, हरदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव बी.एल. मेहरड़ा, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं बड़ी तादाद में आमजन ने शिरकत की।

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त 24 वाहनों की खुली बोली के द्वारा नीलामी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर आयुक्तालय के द्वारा मालखाना निस्तारण के संबंध में राज्य सरकार व पुलिस मुख्यालय के द्वारा पुलिस थानो में खड़े वाहनो एवं मालखाना मदो का त्वरीत निस्तारण हेतु अभियान चलाया जाकर मालखाना निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिस पर पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के निर्देशन में आलोक सिघंल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के नेतृत्व में जिला जयपुर पश्चिम से जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा जिला जयपुर पश्चिम के समस्त पुलिस थानो से एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्तशुदा वाहनो के निस्तारण हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एसओपी व गजट नोटिफिकेशन के अनुसार पत्रावली तैयार कर एनडीपीएस प्रकरणो में जब्तशुदा वाहनो की निलामी की विज्ञप्ति समाचार पत्र में प्रकाशित करवाया जाकर खुली बोली द्वारा पुलिस थाना झोटवाडा व विश्वकर्मा जयपुर पश्चिम पर दिनांक 29.08.2025 को पुलिस थाना झोटवाडा, करधनी, बगरू, भांकरोटा, कालवाड, करणीविहार, वैशाली नगर, विश्वकर्मा, हरमाडा, सदर के प्रकरणो में जब्तशुदा दुपहिया एवं चोपहिया वाहनो कुल 24 वाहनो की जिला स्तरीया कमैटी के द्वारा निलामी करवायी गई। निलामी में कुल 24 वाहनो को 28,58,900/- रूपये की कीमत में निलाम करवाये जाकर राजस्व प्राप्त किया गया।

नायब तहसीलदार नरुका ने कार्यभार संभाला

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। उप तहसील में राजगढ़ अलवर से आए नायब तहसीलदार विश्व नाथ प्रताप सिंह नरूका ने सोमवार को कार्यभार संभाल लिया है। स्टाफ कर्मियों व जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। मनोहरपुर नायब तहसीलदार दलीप चौधरी का राजगढ़ अलवर तबादला हो गया। उनके स्थान पर नायब तहसीलदार विश्व नाथ प्रताप सिंह नरूका को लगाया गया है।

एशिया की सबसे कठिन बाधा दौड़ में बारां रनर्स क्लब का परचम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में आयोजित एशिया की सबसे कठिन बाधा दौड़ डेविल्स सर्किट में बारां रनर्स क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया। क्लब के धावक अजय सिंह (योग प्रशिक्षक), रविन्द्र कुमार धारवाल (आयरनमैन), अंकित शर्मा और सुमित शर्मा ने 5 किलोमीटर लंबी दौड़ और 15 कठिनतम बाधाओं को पार कर साहस, धैर्य और तंदुरुस्ती का बेमिसाल प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों ने 5 किलोमीटर दौड़ो, 15 बाधाओं को जीतों के मंत्र को साकार कर दिखाया और समापन रेखा तक पहुँचकर विजय ध्वज फहराया। डेविल्स सर्किट का अनुभव खिलाड़ियों के लिए केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक मजबूती की परीक्षा थी। यहाँ प्रतिभागियों को 20 फीट ऊँची दीवार (ऊँची चढ़ाई) पर चढ़ना पड़ा, संकरे रास्तों (संकरी राह) से गुजरना पड़ा, कमांडो रेंगना जैसी बाधा में ज़मीन पर रेंगना पड़ा, शिखर चढ़ाई जैसी बाधाओं में साथी पर भरोसा करना पड़ा और बर्फीली डुबकी में 20 टन बर्फ के पानी में उतरकर साहस का असली इम्तिहान देना पड़ा। इस रोमांचक और कठिनतम दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद बारां रनर्स क्लब के धावकों ने यह साबित किया कि अनुशासन, कड़ी मेहनत और तंदुरुस्ती के बल पर कोई भी चुनौती असंभव नहीं रहती। क्लब के संस्थापक अंकित खंडेलवाल ने बताया कि "हमारा उद्देश्य केवल दौड़ जीतना नहीं है, बल्कि युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और अनुशासन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को यह संदेश मिलता है कि जीवन की हर कठिनाई का सामना साहस और धैर्य से किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि न केवल बारां जिले का गौरव बढ़ाती है, बल्कि युवाओं को स्वास्थ्य, फिटनेस और खेलों के प्रति प्रेरित भी करती है।

झालरापाटन नगर कांग्रेस कार्यालय पर मीटिंग संपन्न

-नवनियुक्त अध्यक्ष अम्बेश मीणा का किया स्वागत सम्मान

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालरापाटन नगर काँग्रेस कार्यालय पर 31 अगस्त को मीटिंग आयोजित कर नव नियुक्त नगर काँग्रेस के अध्यक्ष अम्बेश मीणा को पूर्व नगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश लाला राठौड़ व जिला काँग्रेस अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में अम्बेश मीणा को फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाकर पदभार ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर जिला काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह जी द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि अम्बेश मीणा के नगर काँग्रेस अध्यक्ष बनने से युवाओं में काँग्रेस कार्यकर्ताओ में काँग्रेस में एक उत्साह का माहौल है। सभी काँग्रेस के कार्यकर्ता संगठित होकर आने वाले नगरपालिका झालरापाटन चुनाव की तैयारी में लग जाए और संगठित होकर काँग्रेस पार्टी को जिताने में हर कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभाए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मोहम्मद सिद्दीक गौरी ने कहा कि काँग्रेस पार्टी हम सबकी माँ है और माँ के लिए सभी बच्चो के लिए प्यार और सम्मान एक सा होता है। पूर्व नगर काँग्रेस अध्यक्ष लाला राठौड़ का निश्चित ही सराहनीय कार्यकाल रहा पूरे मन से पार्टी के दायित्व को निभाया है और आगे नवनियुक्त अध्यक्ष अम्बेश मीणा से यही आशा है कि सभी को साथ लेकर काँग्रेस पार्टी को मजबूत करेंगे इस अवसर पर नगर काँग्रेस अध्यक्ष अम्बेश मीणा द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। मीटिंग में उपस्थित रहे मोहम्मद सिद्दीक गौरी,देवकीनंदन वर्मा, महेंद्र बना, चंद्रप्रकाश लाला राठौड़, जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण राठौर, प्रदीप तिवारी, इस्माइल अंसारी, सत्यनारायण राठौड़, नवीन मेघवाल, मोहम्मद खालिद, मोहम्मद कासिम भट्टी, बालचंद रावल, इंद्रशेखर पाटीदार, विक्की शर्मा, अंतरिक्ष माथुर, लकी, देवा, भाया जोशी, इरफान अली, नरेंद्र प्रिंस, अब्बास भाई बोहरा, गुलबदन, शब्बीर दवा वाला, फखरुद्दीन, पंकज शर्मा, नंदलाल राठौर, रूप सिंह राठौड़, दुर्गालाल ठेकेदार, अजहर घोंसी, जहीरअंसारी, शोभाराम, मनोज, तूफान, मनीष मीणा, कमल सुमन, कमल शाक्यवाल, अक्षय नामदेव, सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कोटा स्टोन एसोसिएशन सचिव ने किया अमरपुरा औद्योगिक क्षेत्र का दौरा

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। कोटा स्टोन एसोसिएशन के सचिव अखिलेश मेड़तवाल ने किया अमरपुरा औद्योगिक क्षेत्र का दौरा जेवीवीएनएल के सहायक अभियंता ज्वाला वर्मा और टीम रही साथ झूलते तार और जमीन के पास लगे ट्रांसफॉर्मर को लेकर किया निरीक्षण 3 दिन में ट्रांसफॉर्मर हटाने और तारों को ऊंचा करने का आश्वासन दौरे में बड़ी संख्या में उद्योगपति और ग्रामीण रहे मौजूद।

रिलायबल स्कूल के डायरेक्टर डॉ. ज़रीफ अहमद को मिला सम्मान

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। दैनिक भास्कर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित पिछले 18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रिलायबल एजुकेशनल ग्रुप के डायरेक्टर और स्कूल शिक्षा परिवार के प्रदेश आईटी सेल प्रभारी डॉ. ज़रीफ अहमद को आज शिक्षा के प्रति समर्पण, समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान, निरंतर सक्रियता, शिक्षा में प्रगतिशील नवाचार, प्रशासनिक सहयोग और सामंजस्य जैसी अभूतपूर्व सेवाओं और प्रयासों के लिए शैक्षणिक नगरी कोटा में आयोजित राज्य स्तरीय भव्य समारोह में लाडपुरा विधायक श्रीमती कल्पना देवी लाडपुरा विधायक कोटा पुलिस अधीक्षक सुश्री तेजस्विनी गौतम, कुलगुरु कोटा यूनिवर्सिटी प्रो बी पी सारस्वत, जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा, द्वारा दैनिक भास्कर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हाजियों का इस्तकबालिया प्रोग्राम संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट की जानिब से इस्तक़बालिया प्रोग्राम का आयोजन बूँदी रोड़ स्थित निजी मैरिज गार्डन में किया गया। जिसमें हाल ही में हज के मुक़द्दस सफ़र से लौटे हाजियों का इस्तकबाल किया गया जिनमें मुख्य रूप से हाजी लईक अहमद, हाजी मुख्तार हुसैन अंसारी, हाजी वाजिद अली मंसूरी और उनके पूरे परिवार और अन्य आए हुए हाजियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर मुबारकबाद पेश की गई। कार्यक्रम का माहौल रूहानी और भाईचारे से भरपूर रहा। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात ख़ान ने जानकारी देते हुए बताया कि हज का मुक़द्दस सफ़र हर मुसलमान की ज़िंदगी की सबसे बड़ी आरज़ू होती है और अल्लाह की यह नेमत नसीब होना बड़ी ख़ुशनसिबी की बात है। उन्होंने बताया कि इस मौके पर कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ से जुड़े ट्रस्टी और सरपरस्त हज़रात ने प्रोग्राम में शिरकत की। यह पहला मौका था जिसमें ट्रस्ट के तमाम फेमिली मेंबरो ने प्रोग्राम में शिरकत कर प्रोग्राम को ज़ीनत बख़्शी। बाहर से शिरकत करने वालों में बूंदी से राशिद सिद्दीकी, रज़िया ख़ातून, रियाज़ उद्दीन खिलजी, गयासुद्दीन अंसारी, बारां से आबिद हुसैन अंसारी और झालावाड़ ओर दीगर जगहों से ट्रस्ट के जिम्मेदारों ने शिरकत की । इसी अवसर पर बाँरा की मशहूर ओ मारूफ तंज़ीम अंजुमन इत्तेहाद ए बहामी जिला बारां के नवनिर्वाचित सदर आबिद हुसैन अंसारी का सदर बनाए जाने पर गर्मजोशी से इस्तक़बाल किया गया और ट्रस्ट की तरफ़ से तरफ से मुबारकबाद पेश कि गई। प्रोग्राम में हाज़ी ज़फर अहमद GN प्रिंटिंग प्रेस वाले और उनके परिवार का मिल्लत की जानिब से गुलपोशी कर इस्तकबाल किया गया । कार्यक्रम की सदारत करते हुए ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन हाजी अब्दुल सलीम अब्बासी ने मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट और उसकी इकाई एमसीटी क्लीनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के तहत चल रही गतिविधियों, सुविधाओं, फ्री मेडिकल सेवाओं, सामाजिक कार्यों और ग़रीब व जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए निःशुल्क दिए जा रहे मेडिकल उपकरण की जानकारी मुहैया कराई। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्ट के सरपरस्त डॉ. एन डी पठान, क्लिनिक अधीक्षक मिल्लत के सरपरस्त डॉ. अब्दुल रब, क्लिनिक प्रभारी जाकिर आसफी, आल इंडिया रेडिओ अनाउंसर तरन्नुम नाज़ ने भी अपने विचार व्यक्ति किए। प्रोग्राम को कामयाब बनाने वाले लोगों में प्रोग्राम कन्वीनर इमाम हुसैन मंसूरी, इमरान अंसारी, बैंकर निसार अहमद, राशिदुद्दीन, ठेकेदार अब्दुल नासीर, मिर्जा नफीस बैग, चाँद शेरी,जावेद खान सनराइज, डॉक्टर आबिद खान शेरवानी, मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रेस प्रवक्ता असलम रोमी, अशफाक अहमद का विशेष योगदान रहा । कार्यक्रम का इख़्तिताम मुल्क में अमन चेन ओर देश की तरक्की की दुआओं के साथ किया गया ।

मनोहरथाना स्थानीय प्रशासन की लापरवाही एवं निष्क्रियता के चलते पुलिया हुई क्षतिग्रस्त

-आमजन एवं स्कूली बच्चे परेशान- रणजीत भील

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिले कि मनोहरथाना पंचायत समिति की ग्राम चांदपुरा भिलान में ग्राम पहली का पूरा में स्कूल जाने वाले बच्चो को स्कूल आने जाने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है कई बार स्कूल जाने का रास्ता ही बंद होता है जिस से बच्चो कि पढ़ाई अवरुद्ध हो रही है। ग्राम के विद्यालय में जाने के रास्ते कि पुलिया बहुत अधिक जर्जर हो चुकी है एवं बारिश का पानी आने से पुलिया का रास्ता पूर्ण रूप से बंद हो जाता है। रणजीत भील ने 1 सितंबर 2025 को बताया की विद्यालय में ना सिर्फ बच्चो का जाना अवरुद्ध है बल्कि यहां पर शिक्षक भी नहीं आ जा पाते है और बच्चो कि पढ़ाई बिगड रही है। इस मामले में प्रशासन को भी कई बार अवगत करवाया गया है परन्तु अधिकारी उदासीन रवैया रखे हुए है। ग्रामीणों ने अधिकारियो को कई बार लिखित शिकायत देकर पुलिया निर्माण कि मांग कि परन्तु किसी का ध्यान इस समस्या कि और नहीं जा रहा है।

10वीं कक्षा की नि:शुल्क कोचिंग 1 सितम्बर से होगी शुरू

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। सोशियल वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। सोसायटी के सदर मोहम्मद हनीफ रंगरेज के अनुसार बैठक में निर्णय लिया गया कि सोशियल वेलफेयर सोसायटी, भीलवाड़ा, सीरत कैश व क्रेडिट सोसायटी, भीलवाड़ा, सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट, भीलवाड़ा इन्तज़ामिया कब्रिस्तान कमेटी, चैरिटी ट्रस्ट, स्टेशन, भीलवाड़ा के सहयोग से 10वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं हेतु विज्ञान, गणित, व अंग्रेजी की निःशुल्क कोचिंग कक्षा दिनांक 1 सितम्बर 2025 से सीरत सराय रेल्वे स्टेशन के पास, भीलवाड़ा में चलाई जायेगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10 वीं के छात्र-छात्रायें जो इस कोचिंग का लाभ लेना चाहते हैं, वो अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म सीरत सराय काउन्टर फोन नं. 01428-226538 से प्राप्त कर सांय 5.00 बजे तक वहीं जमा करवा सकते हैं।

नर्सिंग छात्रों हेतु गीतांजलि यूनिवर्सिटी में जागरुकता कार्यक्रम

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को गीतांजलि यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में लगभग 700 नर्सिंग छात्र-छात्राओं के लिए टाउन हॉल मीटिंग "स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ राकेश व्यास, गीतांजली यूनिवर्सिटी, गीतांजलि कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग से डीन डॉ. विजया अजमेरा, प्रिंसिपल डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी, प्रिन्सिपल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा फैकल्टी सदस्य एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास ने नर्सिंग क्षेत्र की महत्त्वता पर प्रकाश डाला, डॉ. विजया अजमेरा, डीन ने छात्र छात्राओं को अच्छे अध्ययन एवं स्वस्थ रहने तथा सदैव सकारात्मक रहने के लिए प्रोत्साहित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी ने नर्सिंग प्रोफेशन के उद्देश्यों से अवगत कराया एवं उसे पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग स्कूल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा ने नर्सिंग प्रोफेशन की विशेषता एवं नर्सिंग की जिम्मेदारियों से अवगत कराया । स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत एक्सपर्ट सेशन का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से डॉक्टर शिखा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी काउंसलर, सुश्री भव्या रस्तोगी स्टूडेंट काउंसलर द्वारा छात्र-छात्राओं को अध्ययन एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को सुना एवं उसके उचित समाधान बताये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ब्रिन्सी बाबु एसोसिएट प्रोफेसर एवं विकास कुशवाहा लेक्चरर गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ़ नर्सिंग द्वारा किया गया।

हाट बाजार में 25 लाख से बना प्लेटफॉर्म अनुपयोगी, पुरानी जगह ही बैठ रहे हैं व्यापारी

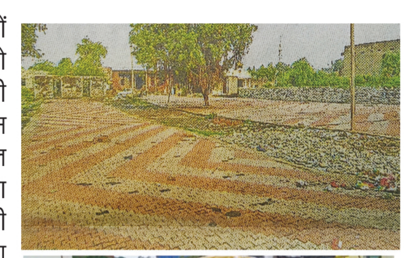

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के हाट बाजार में नगर पालिका की ओर से करीब 25 लाख रुपए की लागत से बनाए गए प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं हो पा रहा है। प्लेटफार्म मात्र वाहनों की पार्किंग और मवेशियों के बैठने का अड्डा बनकर रह गया है। निर्माण के समय इसकी वास्तविक उपयोगिता पर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण व्यापारी अब भी व्यापारी पुरानी जगह पर गंदगी और कीचड़ मैं दुकानें लगाने को मजबूर हैं। व्यापारियों का कहना है कि हाट बाजार में जहां अधिकतर दुकानें लगती हैं, वहीं बारिश के दिनों में कीचड़, फिसलन और जलभराव की समस्या बनी रहती है। ऐसी नगर पालिका स्थिति में खरीदारी के लिए आने वाले ग्रामीणों और कस्बेवासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। नगर पालिका की ओर हाट बाजार से निरंतर इसके बदले किसी भी तरह की बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा कराई जा रही। यहां स्थित सार्वजनिक शौचालय भी वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। कहना है कि बार-बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या बताने के बाद भी मात्र मौखिक आश्वासन ही दिया जाता है। धरातल पर कोई कार्य नहीं किया गया। 25 लाख की लागत वाले इंटरलॉकिंग प्लेटफार्म पर अभी तक व्यापारियों को शिफ्ट नहीं किया गया है। सभी दुकानें अपनी पुरानी जगह पर ही लगी रहती हैं। व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण के समय उनकी राय बिल्कुल नहीं ली गई। यदि उसी स्थान पर निर्माण कराया जाता जहां वास्तव में दुकानें लगती हैं, तो आज यह समस्या नहीं होती। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यह निर्माण मात्र निजी लाभ लेने और औपचारिकता पूरी करने के लिए किया गया है।

एसडीएम ने किया था निरीक्षण-

प्लेटफार्म बनने के बाद तत्कालीन एसडीएम एवं नगर. पालिका प्रशासक नीता वसीटा ने निरीक्षण किया था। उन्होंने बाजार के विकास के लिए करीब 70 लाख रुपए खर्च कर बाउंड्री निर्माण, अतिरिक्त प्लेटफार्म और सड़क निर्माण की योजना की बात कही थी, लेकिन इसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाट बाजार के इस अनुपयोगी निर्माण को लेकर अब कस्बेवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि इसको गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करवाना चाहिए।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में खेल महोत्सव के तहत हो रही रस्सा-कस्सी और गोला फेंक प्रतियोगिता

-दिखा दमखम खेलों के प्रति समर्पण का लिया संकल्प

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के 'विकसित भारत' के क्रम में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार मौलाना आजाद विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय (29-31 अगस्त 2025) खेल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आउटडोर खेलों के अर्न्तगत रस्सा-कस्सी में फिजियोथेरिपी व फार्मेसी छात्रो के बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में फार्मेसी टीम विजयी रही। विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच हुई गोला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी. फार्म फोर्थ सेम के दिलीप, द्वितीय स्थान पर बीपीटी के फीफ्थ सेम के समीर और तीसरे स्थान पर बीपीटी फीफ्थ सेम के अनील पटेल रहे। रस्सा कस्सी मे फार्मेसी छात्र विजयी और बीपीटी छात्र द्वितीय स्थान पर रहे। बतौर मुख्य अतिथि मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक एवं विषिष्ट अतिथि यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी के नेतृत्व में सभी संकायों के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने अंत में खेलों के प्रति समर्पण व खेल भावना की शपथ ली। इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन स्पोर्ट्स डॉ. मोईनुल हक, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी साबरा कुरैशी, डीन आर्टस डॉ. इनाम इलाही, डीन कॉमर्स डॉ. एन.के. बोहरा, डीन मैनेजमेंट डॉ. दीपक भंडारी, डीन एज्यूकेशन डॉ. समीना, साइंस हेड ऑफ डिपार्टमेन्ट डॉ. मोहम्मद रईस विशेष रूप से उपस्थित रहे। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. सीमा परवीन, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अल्ताफ खान, डॉ. शाहिद, डॉ. समृद्धि, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी, यूनुस खान, डॉ. विपिन व्यास, डॉ. विरमाराम देवासी, तौसीफ खान, पूजा इंकिया, शोएब खान, मारुफ शेख, सरवन हुदा, रुकैया जमाल, शोएब सैफी सहित विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

घांघू के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में 13 साल सेवा देने वाले वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश आर्य का अभिनंदन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदिक घांघू के राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में 13 वर्ष सेवा देने वाले डॉ. ओमप्रकाश आर्य का उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिये रविवार को अभिनंदन किया गया। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील मेहरा ने कहा कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक संवेदनशीलता से सभी सेवाओं और सुविधाओं को पहुँचाना ही लोक सेवक के लिए आदर्श है। डॉ. आर्य ने यहां अपने कार्यकाल में इस आदर्श को अपनाया और लोगों का विश्वास जीता। यही एक लोक सेवक के लिए सफलता और सार्थकता है। हम सभी के लिए डॉ. आर्य की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना प्रेरणादायी है। अध्यक्षता करते हुए सरपंच विमला देवी दर्जी ने डॉ. आर्य की सेवाओं की सराहना की और कहा कि जिला स्तर पर डॉ. आर्य के सम्मान से ग्राम पंचायत गौरवान्वित हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना और लंपी जैसी महामारियों के चलते पिछला समय सभी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन ग्राम पंचायत में डॉ. आर्य और अन्य सभी विभागों के कार्मिकों का बेहतर सहयोग रहा। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता महावीर नेहरा, पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक डॉ. प्रभुदयाल बरवड़, जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर लाल दर्जी ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. आर्य की धर्मपत्नी अमृता देवी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता बीरबल नोखवाल ने किया। वरिष्ठ पशुधन सहायक एच सी यादव ने आभार जताया। कार्यक्रम में गोविंद गौशाला, बालरासर तंवरान की ओर से भी डॉ. आर्य का अभिनंदन किया गया। इस दौरान उप सरपंच पूर्ण सिंह शेखावत, बन्ने खां, रामलाल फगेड़िया, डॉ. इम्तियाज, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी नारायण कुमार मेघवाल, बनवारी लाल गुरी, अब्दुल हबीब अनवरी, आमीन मनियार, पूर्णसिंह तंवर, विद्याधर राहड़, नेमीचंद जांगिड़, दलीप गेट, श्रवण जाखड़, रमेश बरवड़, सदर नजीर खान, सुखराम सिहाग, देवकरण गुरी, केसरदेव गुरी, संजय वर्मा, आजम अली पहाड़ियान, पशुधन निरीक्षक सरिता आदि ने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. आर्य की सेवाओं को सराहा। इस दौरान डॉ. मनोज नैण, डॉ. प्रदीप, महावीर बुरड़क, जयपाल, राकेश कुमार, संजय मांझू, वीरेंद्र मीणा, बहन इन्द्रकला, संतोष देवी आदि भी मौजूद रहे।

रकमा संगठन द्वारा जिला स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मान समारोह 7 सितंबर को चुरू में होगा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि 7 सितंबर को मातुश्री कमला गोयनका टाऊन हॉल चुरू में रकमा संगठन की जिला इकाई द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। जिसके लिए विभिन्न तरह की कमेटियों का गठन किया जा चुका है और सभी अपने अपने तरीके से तैयारियों में लगे हुए हैं। रकमा संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किये जाने वालों के डाटा कलेक्ट किए जा रहे हैं जिसके लिए जिले में तहसील वार जिम्मेदारी दी गई है। चुरू के लिए वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद वसीम अली भाटी, रतनगढ़ के लिए मोहम्मद अनवर कुरेशी सेवा निवृत्त सीबीईओ, राजगढ़ के लिए हासम खान प्राचार्य, तारानगर के लिए फरमान खान लैब टेक्नीशियन, सुजानगढ़ के लिए मोहम्मद अकरम अध्यापक, और सरदार शहर के लिए इलियाश मोहम्मद खान वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक को जिम्मेदारी दी गई है। इसी के साथ-साथ लिस्ट को एकत्र कर फाइनल लिस्ट बनाने की जिम्मेदारी इमरान खान एएओ पीएचईडी को दी गई है। राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयुब खान वरिष्ठ लिगल आफिसर ने कहा है कि समाज के अग्रिम पंक्ति के समाज सेवियों और अल्पसंख्यक अधिकारी व कर्मचारियों को आगे आकर सम्मान समारोह को सफल बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। रकमा संगठन चुरू के सलाहकार डॉ. अहसान गौरी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं में 85% या इससे उपर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, एन सी सी में सी सर्टिफिकेट, स्काउट एवं गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड,1 जनवरी 23 के बाद सरकारी सर्विस में नव नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी,1 जनवरी 23 के बाद सेवा निवृत्त हुए अधिकारी और कर्मचारी, अल्पसंख्यक पत्रकार, पीएचडी,आइ आइ टी, आइ आइ एम, नीट, एनडीए, नेट, जेईई, सेट, क्लियर, सीए, आइसीडब्ल्यूए, सीएस क्लियर, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में 70 % या इससे ऊपर अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र व छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जिन्हें जिला स्तरीय सम्मान समारोह में 7 सितंबर को सम्मानित किया जाएगा। रकमा के जिला सचिव जाकिर हुसैन एएओ व कयुम खान लेक्चरर ने बताया कि आवेदन की अंतिम तारीख 4 सितंबर 2025 रखी गई है।

राजसमन्द विधायक दीप्ति माहेश्वरी सड़क दुर्घटना के बाद गीतांजली हॉस्पिटल में भर्ती, स्थिति स्थिर

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजसमन्द विधायक दीप्ति माहेश्वरी को सुबह लगभग 3:30 बजे सड़क दुर्घटना के बाद गीतांजली हॉस्पिटल लाया गया। प्रारंभिक जाँच में पाया गया कि उनकी कुछ पसलियां टूटी हुई हैं तथा चेहरे पर हल्की चोटें पाई गईं। गीतांजली हॉस्पिटल की डॉक्टरों की टीम पूरी तरह से तैयार थी और रोगी के आते ही आपातकालीन उपचार तुरंत प्रारंभ कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी स्थिति स्थिर हो पाई। हॉस्पिटल प्रशासन ने उनके इलाज व देखभाल के लिए सीनियर डॉक्टर्स की टीम का गठन किया हिया है जिसमें जनरल सर्जरी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल, क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद सूद, न्यूरोसर्जरी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. गोविंद मंगल, सीटीवीएस विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजय गांधी तथा रेडियोलॉजी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. कुंडू एवं डॉ. विश्वजीत की संयुक्त टीम शामिल है। वर्तमान में दीप्ति माहेश्वरी स्थिर हैं और पूर्णतः होश में हैं। डॉक्टरों ने हिदायत दी है कि इस समय वे संक्रमण के प्रति संवेदनशील हैं। अतः उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए यह अनुरोध है कि उनसे मिलने के लिए आने वालों की संख्या को न्यूनतम रखा जाए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भाजपाइयों ने फूंका पुतला

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर द्वारा सोमवार को पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. भरतलाल मथुरिया के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कांग्रेस आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी पूज्य माताजी लिए अपशब्द कहने के विरोध में भाजपाइयों ने महावीर पार्क में एकत्रित होकर जिला कलेक्ट्रेट के सामने पुतला फूंका और राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव को अविलंब माफी मांगने की मांग की। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बजरंग लाल जाट, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, जिला महामंत्री बाबू लाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, लाल चंद गौतम, सत्यनारायण धाकड़, मीरा सैनी, जिला मंत्री,गंगाशंकर गौतम, हरफूल मरमट, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, गीता सैनी, बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेष भारद्वाज, शहर मंडल अध्यक्ष कपिल जैन, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा, कुंदेरा मंडल अध्यक्ष मनीष जैन, मलारना मंडल अध्यक्ष श्रीचन्द सेनी, बरनाला मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह नरूका, कुस्तला मंडल अध्यक्ष मनराज गुर्जर, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष तनवीर अहमद, एससी मोर्चा अध्यक्ष मनोज बैरवा, कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री देवेंद्र सिंह राठौड़, सुधीर शर्मा, नील कमल जैन केशव शर्मा, हरचरण सिंह, रामबिलास मीणा, शुभम भारद्वाज संजय सिकरवार, गोवर्धन सोनी, बनवारी बंसल, जगदीश बरनाला, देवेंद्र मोहन गौतम, अविनाश शर्मा, मुकेश शर्मा, बाबूलाल महावर, रामकिशन शुक्ला, बिट् मंगल, पमहिला मोर्चा की संतोष मथुरिया, सावित्री शर्मा, एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ख्याली में केशरोजी महाराज का मेला धूमधाम से भरा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। निकटवर्ती गांव ख्याली में रविवार को किशरोजी महाराज का मेला धूमधाम से भरा। शनिवार रात्रि को मेड़ी में डेरूँ कलाकारों द्वारा रात जगाई गई। खेल प्रभारी नागेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि रविवार को आयोजित 100 मीटर दौड़ में मनीष कुमार सतनाली प्रथम, अभिषेक कुमार पिलानी द्वितीय और तिलक कुमार सतनाली तृतीय स्थान पर रहे। नागेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि ऊंची कूद में वेद प्रकाश नारनौल प्रथम, लोकेंद्र सिंह ख्याली द्वितीय और अभिषेक कुमार पिलानी तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार लंबी कूद में अभिषेक कुमार पिलानी प्रथम, वेद प्रकाश नारनौल द्वितीय और राहुल पूनिया खोरी तृतीय स्थान पर रहे।इस मेले में आसपास के दर्जनों गांवों के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हालांकि वर्षा के कारण कबड्डी प्रतियोगिता को बीच में ही रोकना पड़ा। कबड्डी की शेष रही दस टीमों को तीन तीन हजार रुपए बराबर राशि और उपहार देकर सम्मानित किया गया। अन्य खेलों के विजेता, उप विजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को पूर्व सरपंच बजरंग सिंह शेखावत, नोप सिंह शेखावत, लादू सिंह शेखावत, दशरथ सिंह शेखावत, फिल्म निर्माता राजेंद्र सिंह शेखावत, हनुमान सहारण लोहसना बड़ा, भगत रंगपाल सिंह शेखावत और करणी सिंह शेखावत, लालचंद प्रजापत आदि ने पुरस्कृत किया। लादू सिंह शेखावत, कासम अली, यूनुस अली, राजेंद्र सिंह शेखावत, मोहर सिंह शेखावत आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन नागेन्द्र सिंह शेखावत ने किया। इस दौरान कवि दिग्विजय सिंह गोगटिया ने अपनी कविताओं की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर खेमचंद शर्मा, एडवोकेट योगेन्द्र सिंह शेखावत, योगराज सिंह शेखावत, राकेश कुमार प्रजापत, निरंजन सिंह शेखावत, ओंकार सिंह शेखावत, राहुल सिंह, संजय सिंह, व्याख्याता वीरेंद्र सिंह, महेंद्र प्रजापत, गिरधारी स्वामी, अरिदमन सिंह, नाइफ अली, राकेश कुमार, जितेन्द्र सिंह, रोमिल सिंह आदि ने आयोजन में सहयोग किया।

चूरू में भंवर लाल सैनी और विजय जैन बने पीपल्स ग्रीन पार्टी के लोकसभा प्रमुख

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पीपल्स ग्रीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु की अनुमति से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी के द्वारा सभी पच्चीस लोकसभाओं में प्रमुखों की सूची जारी कर दी गई है। प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि एक लोकसभा में दो प्रमुख मनोनीत किये गए हैं। इसी कड़ी में अजमेर में एडवोकेट तृप्ति बाला व तेजपाल मेघवाल, अलवर में एडवोकेट हेमंत शर्मा और वीर सिंह जोहन, बारां-झालावाड़ में कृष्णावतार मीणा और पवन मेहर, बाड़मेर में कालू राम सुथार और लूणाराम गढ़वीर, भरतपुर में पीयूष शर्मा और दीपक अग्रवाल, बीकानेर में संदीप सिंह और अयूब ढूढी, दौसा में ऋतु शर्मा और महेश चंद सैनी, श्रीगंगानगर में जगदेव सिंह और कुलवंत कौर, जयपुर में सत्यनारायण सिंघल और महिपाल गौड़, झुंझुनूं में राजेंद्रसिंह शेखावत और दीपक सोहू, जोधपुर में सुरेंद्र माथुर और अजयपाल सिंह, करौली धौलपुर में साहब सिंह कुशवाह और भानुप्रताप मीणा, कोटा में मनोज जैन और बबलू लववंशी, टोंक-सवाईमाधोपुर में गौतम शर्मा और मो. उमर ख़ान, उदयपुर में राजेंद्र मीणा और रामलाल मीणा, जयपुर रूरल में राजेश फौजी और मुकेश तंवर, चूरू में भंवर लाल सैनी और विजय जैन, राजसमंद में राजेन्द्र बसेटा और देव नारायण सोलंकी, पाली में बस्ती राम और भरत सोलंकी, नागौर में भूरा राम नायक और अमराराम, भीलवाड़ा में भगवान सुथार और रिखब चंद जैन, बांसवाड़ा में एड शंकर लाल बमानिया और नेपाल सिंह डामोर, सीकर में एडवोकेट नरेश यादव और ताराचंद गुर्जर, जालौर में फ़ौजा राम और जोगाराम मेंशन, चित्तौड़गढ़ में सोभाग सिंह और महेश माली को मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सैनी के नेतृत्व में सात संभाग प्रधान और पचास लोकसभा प्रमुख सीडब्ल्यूसी गठन का कार्य विधानसभा प्रभारियों के सहयोग से कर रहे हैं।

पंचायतीराज नगर निकाय व पाली शहर के तीनों बने महासचिव

-मुनाजिर अली चूड़ीगर, जिशान अली रंगरेज, इमरान तंवर को दी नियुक्ति

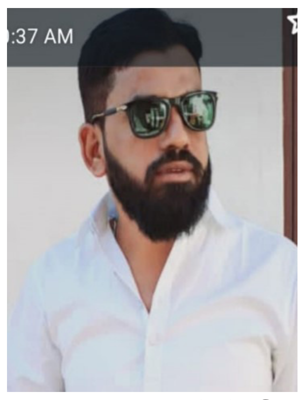

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज के प्रदेशाध्यक्ष सीबी. यादव के निर्देशानुसार पाली जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल की अनुशंपा पर संभाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल ने राजीव गांधी पंचायतीराज एवं नगर निकाय पाली शहर ब्लॉक के महासचिव पद पर मुनाजिर अली चूड़ीगर, जिशान अली रंगरेज, इमरान तंवर को नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि ये तीनों कांग्रेसी परिवार से है तथा तीनों युवा, निष्ठावान, कर्मठ, अनुभवी कांग्रेस कार्यकर्ता है तथा लम्बे समय से काँग्रेस में साधारण सिपाही की तरह कार्य करते आ रहे है। इनकी विधानसभा, लोकसभा, पंचायतीराज के चुनाव में हमेशा अग्रणी भूमिका रही है। इनकी कार्यप्रणाली को देखते हुए पाली शहर में कांग्रेस के पंचायतीराज एवं नगर निकायों में संगठन को मजबूत करने के लिए आगामी नगरनिगम चुनाव को देखते हुए उनकी नियुक्ति की गई है, जिससे कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान होगी। इनके महासचिव वनने से पाली शहर में युवा कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी तथा प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव, संभाग प्रभारी बलदेव बेनीवाल, पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह, जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

बाल साहित्य लेखक अब्दुल समद राही कुरुक्षेत्र में होंगे सम्मानित

सोजत(रॉयल पत्रिका)। मेहंदी नगरी सोजत के ख्यातनाम बाल साहित्य लेखक, शायर, कवि अब्दुल समद राही को महाभारत की रणभूमि कुरुक्षेत्र में निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति चरखी दादरी, हरियाणा द्वारा कुरुक्षेत्र में 7 सितम्बर 2025 को आयोजित हिंदी उत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान/ पुरस्कार समारोह-2025 में निर्मला हिंदी साहित्य गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मंगलेश ने बताया कि निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति चरखी दादरी, अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य शोध संस्थान, कुरुक्षेत्र एवं हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में राही को सम्मानित किया जाएगा। अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. जय भगवान सिंगला ने बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय समारोह रामस्वरूप सभागार प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा। जिसमें देश-विदेश के नामचीन साहित्यकारों को शाल श्रीफल मोमेंटो व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। राही को मिलने वाले इस सम्मान के लिए सोजत के वरिष्ठ साहित्यकार वीरेंद्र लखावत, अरूण जोशी, जनकवि कैलाशदान चारण, कथाकार डॉ. रशीद गौरी, व्यंग्यकार उमाशंकर द्विवेदी, कवि नवनीत राय रुचिर, कवियत्री राजेश दुलारी सांदू, गीतकार पेन्टर दलपत, महेंद्र मेहता, राजेन्द्र जोशी, असलम कुरैशी, राजेन्द्र व्यास, पेंशनर समाज अध्यक्ष लालचंद मोयल, पूर्व खेल अधिकारी सत्तू सिंह भाटी, फौजी अशोक सेन, ठेकेदार मोहम्मद यूसुफ खताई, मोहम्मद यासीन,समाजसेवी अब्दुल गनी ताजक, अधिवक्ता पंकज त्रिवेदी, अनवर पठान, बाबू खां मेहर, फकीर मोहम्मद पठान, मोहम्मद इकबाल, सिकंदर टाक, नियामत अली रंगरेज आदि उपस्थित रहे।

सांचौर में दिन दहाड़े गैंग ने युवक का किया अपहरण मांगी थी 20 लाख की फिरौती

-पुलिस की सूझबूझ से युवक को छुड़वाया, डमी रकम से पकड़े गए आरोपी

सांचौर (रॉयल पत्रिका) रामदेवरा पैदल यात्रा से लौट रहे एक युवक का अपहरण कर गैंग ने 20 लाख रूपए की फिरौती मांगी, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और परिजनों के सहयोग से फर्जी रकम के जरिए आरोपियों को रंगे हाथ दबोच लिया गया। इस कार्रवाई से युवक को सुरक्षित छुड़ाया गया। सेड़िया गांव निवासी सुरेश कुमार 23 ने थाने में रिपोर्ट में बताया किवह 13 अगस्त को अपनी मां समेत 18 लोगों के दल के साथ रामदेवरा यात्रा पर गया था। यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात धोलीदेवी नामक महिला और उसके सहयोगियों से हुई। यात्रा के बाद लगातार फोन पर बातचीत बढ़ाते हुए 23 अगस्त को धोली देवी ने सुरेश को सांचौर स्थित निजी हॉस्पीटल बुलाया। यहां पहले से मौजूद धोली देवी उसके पति सांवलाराम और अन्य साथियों ने सुरेश को गाड़ी में बैठा लिया और उसकी मोटरसाईकिल भी अपने कब्जे में ले ली। इसके बाद युवक को होटल और फिर सुनसान डुंगरवा सरहद में ले जाकर मौरमीट की गई। आरोपियों ने सुरेश के मोबाईल से 65 हजार रूपये यूपीआई के जरिए ट्रांसफर करवा लिए और परिजनों से फोन पर 20 लाख की फिरौती की मांग की। रकम नहीं देने पर युवक की हत्या की धम्मकी भी दी। घबराए परिजन तुरन्त थाने पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को समझते हुए डमी रकम देने की योजना बनाई। तय योजना के तहत जब आरोपी सांचौर के कमालपुरा सरहद में निजी होटल पर फिरौती लेने पहुंचे तो पुलिस ने घेराबंदी कर मुख्य आरोपी रामजीवन को मौके पर दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर धोलीदेवी, सांवलाराम सहित अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में, आयोजित कांग्रेसजनों की बैठक में, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ऱफ़ीक मंडेलिया ने कहा हमारे नेता राहुल गांधी देश भर में अभियान चलाया है, वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा पूरे देश में गूंज रहा है, इसको लेकर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी इण्डिया गठबंधन के साथ बिहार में। सभाएं और रैली कर रहे हैं, उनकी सफलता से, भाजपा बौखला गई है, अब भाजपा के नेता तानाशाही पर उतारू हो गए, बिहार कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर हमला बोला यह गलत है, लोकतंत्र में तानाशाही नहीं चलेगी। बैठक में वर्षा से हो रहे शहर भर में नुकसान से हालात ख़राब होने जिला प्रशासन का ध्यान देने को कहा। पीसीसी सचिव रियाजत खां, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू निवर्तमान सभापति पायल सैनी, किसान नेता आदुराम न्यौल, रमजान खां, अबरार खां आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर प्यारेलाल दानोदिया, संजय भाटी आबीद जाबासरिया, असलम खां मोयल, अजीज खां, अली मोहम्मद भाटी, योगेष ढाका, विमल शर्मा, तोफिक खान, समीउल्लाह गौरी, शिवकुमार शर्मा, इमरान मलनस, आरिफ़ रिसालदार, तोफिक एनएसयुआई, संजय कँटाला, आसिफ निर्वाण, सूर्यप्रकाश वर्मा सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहे।

शिक्षाविद अब्दुल हमीद खां मोयल का निधन

-बड़ाबास स्थित दरगाह कब्रिस्तान में किया गया सुपुर्द-ए-खाक

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं क्षेत्र में गुरूजी के नाम से मशहूर और अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले मास्टर अब्दुल हमीद खां मोयल बड़ाबास लाडनूं निवासी ने अलसुबह अपने घर पर आखिरी सांस ली। दोपहर को बड़ाबास स्थिति दरगाह खाद खदीर की कब्रिस्तान में उनके नमाज जनाजे की नमाज अदा कर सुपुर्द खाक किया गया और मरहुम के लिए दुवाएं मग्फीरत की गई तथा इनके घर वालों को यह दुःख सदमा सहन करने की हिम्मत और ताकत देने की दुवाए मांगी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के अलावा मुस्लिम समुदाय सहित सर्वसमाज के गणमान्य नागरिक उनकी अंतिम शव यात्रा जनाजे में शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। जानकारी अनुसार महुरुम अब्दुल हमीद खां मोयल सरकारी व्याख्याता पद से सेवानिवृत मोयल सदैव शिक्षा को समर्पित रहे। वे विभिन्न संगठनों से जुड़कर अपने अंतिम समय तक समाज सेवा से जुड़े रहे। शिक्षक नेता नानूराम गोदारा ने बताया कि मोयल राजस्थान शिक्षक संघ, राजस्थान संयुक्त कर्मचारी महासंघ, अंजुमन फैज-ए-आम, अल्पसंख्यक अधिकारी, कर्मचारी महासंघ, मानवाधिकार फाउण्डेशन, अणुव्रत समिति आदि संस्थानों से जुड़कर विशिष्ट समाज सेवा का कार्य में सदैव तत्पर रहे। सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि गुरुजी हमारे आदर्श रहे हैं और अचानक उनका इस तरह से इस दुनिया को अलविदा कह कर चले जाने से क्षेत्र और क्षेत्र वासियों के लिए अति दुखद और अपूर्णीय क्षति हुई है। इस अवसर पर लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, समाजसेवी नरेंद्र भुतोड़ीया, चीफ शहर काजी सैय्यद मोहम्मद अली असरफी, मौलाना मोहम्मद मदनी, मौलाना मोहम्मद शकिल, समाजसेवी लियाकत अली, समाजसेवी डॉ. गुलाबनबी सिसोदिया, डॉ. नानूराम चोयल, डॉ. वीरेंद्र भाटी मंगल, शिक्षक नेता जगदीश घिंटाला, व्याख्याता चंद्राराम मेहरा, प्राचार्या डॉ. शिल्पी जैन, शिक्षिका परवीन भाटी, अलानुर ठेकेदार, जगदीश यायावर, शंकर आकाश, लछमन चारण, मास्टर मोहम्मद बिलाल मुगल, पार्षद इदरीस खां, अबू बकर बल्खी, हारून बड़गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, प्रधान हनुमानाराम कासनीया, होशियार अली खां, यासीन अख्तर, सबीर खां लाडवाण, अयुब खां सामदखानी सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिको ने श्रद्धांजलि पेश की है।

सवाई माधोपुर के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गणपत लाल वर्मा दिल्ली में हुए सम्मानित

-NDMC कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। संसद मार्ग स्थित NDMC Convention Center में आज 4th International Osteopathy & Manual Therapy Conference – Osteo Manual Summit 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील बंसल, जिन्होंने दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न – "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" और "एक राष्ट्र, एक चुनाव" से प्रेरित होकर "One Nation, One Curriculum" की थीम पर आधारित रहा। सम्मेलन का उद्देश्य फिजियोथेरेपी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान करना है।

देश-विदेश से आए 300+ फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने इसमें भाग लेकर ऑर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजी, कार्डियो-रेस्पिरेटरी, स्पोर्ट्स मेडिसिन, लाइफस्टाइल डिसऑर्डर्स आदि क्षेत्रों में नई संभावनाओं पर विचार साझा किए।इस अवसर पर सवाई माधोपुर के डॉ. गणपत लाल वर्मा को Estimated Adviser एवं Chairperson के रूप में आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनका स्वागत डॉ. चिराग वर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ, प्रतिक चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। साथ ही, कई प्रख्यात फिजियोथेरेपिस्ट्स को भी सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं डॉ. चिराग वर्मा (Organising Secretary), डॉ. राम सिहाग, डॉ. अरविन्द जगा, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. मनीष, डॉ. बुद्धिराम जाट, डॉ. नरेन्द्र सम्मेलन की सफलता में कई प्रतिष्ठित पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

साहित्य अकादमियों में वंचित वर्ग का बनाया जाए अध्यक्ष- डॉ. सहारण

-मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि इतिहास में आज तक इस वर्ग से नहीं बना है अध्यक्ष

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान सरकार के अधीन आने वाली लगभग दस अकादमियां नई सरकार के आने के बाद से अपने अध्यक्षों का इंतजार कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि इन अकादमियों में नई सरकार ने आते ही पहले से काम कर रहे अध्यक्षों को तुरंत प्रभाव से हटा दिया था तथा बाद में वहां आईएएस प्रशासक लगाए गए थे। जो कोई भी नीतिगत निर्णय नहीं ले सकते और अकादमियां ठप हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने राजस्थान सरकार के मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा एवं विभाग की मंत्री दीया कुमारी को पत्र लिखकर मांग की है कि जिस शीघ्रता से सरकार ने आते ही पहले से अच्छे ढंग से काम कर रहे अध्यक्षों को हटाया उसी शीघ्रता से अध्यक्ष बनाने में सरकार से जो चूक हुई है, उसे सुधारते हुए अब इन अकादमियों को तुंरत अध्यक्ष सौंपे जाएं। सहारण ने अकादमियों के अध्यक्षों की सूची संलग्न करते हुए मुख्य मंत्री से मांग की है कि सत्तर साल के लगभग के इतिहास में वे किसान वर्ग से बने पहले अध्यक्ष थे, परंतु आज दिनांक तक अनुसूचित जाति एवं आदिवासी वर्ग से कोई भी अध्यक्ष इन अकादमियों में नहीं बनाया गया है, इसीलिए इन वर्गों से सरकार नए अध्यक्ष बनाए। सहारण ने मांग की है कि इन वर्गों से अध्यक्ष बनने से सामाजिक न्याय के सिद्धांत की अवधारणा को बल मिलेगा और सामान्य वर्ग के आने वाले मुख्यमंत्री की साख में वृद्धि भी होगी। वहीं तुरंत नियुक्ति से ठप पड़ी अकादमियां पुनर्जीवित होंगी।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया "पत्रकार व सामाजिक सेवा अवार्ड - 2025" से सम्मानित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के कचोलिया रोड़, शाही बाग पैलेस में दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा आयोजित तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सीकर के संत ओमदास महाराज, एडवोकेट रमेश रत्न, डॉ. अंबेड़कर मेमोरियल वैलफेयर सोसायटी के प्रदेशाध्यक्ष जसवंत सम्पतराम, सेवानिवृत भरतपुर संभागीय आयुक्त पीसी बेरवाल, बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, सेवानिवृत एएसपी अनिल गोठवाल, सेवानिवृत सीआरपीएफ एसपी केएम बुनकर, सेवानिवृत जज टेकचंद राहुल, भंते प्रज्ञा सागर, कानदास महाराज, संस्था के संरक्षक चुन्नीलाल मण्डारवाल, संस्थापक व अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र बुनकर, जिला परिषद सदस्य जितू बुनकर, पंस. सदस्य सुनीता बुनकर, पंस. सदस्य सुमन बुनकर ने टांकरड़ा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया को "पत्रकार व सामाजिक सेवा अवार्ड - 2025" से सम्मानित किया है। हरसोलिया को यह अवार्ड मिलने पर सर्व समाज बंधुओं ने हर्ष जताया।

हरसोलिया विभिन्न संस्थाओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉ. अंबेडकर सेवा सम्मान, समता शक्ति सम्मान, अंबेडकर रत्न सम्मान, भामाशाह सम्मान, पत्रकार सम्मान, उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान, समाजसेवी सम्मान आदि से सम्मानित हो चुके है।

फैंस ने बताया सुपर मॉम

माही विज ने बेटी खुशी का दिल छू लेने वाला वीडियो किया पोस्ट

लागी तुझसे लगन, बालिका वधू, अकेला, कैसी लगी लगन, और शुभ कदम जैसे टीवी सीरियल में काम कर चुकी अभिनेत्री माही विज ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें माही बेटी खुशी के साथ जुदाई-जुदाई गाने का वीडियो बनाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, ये मेरी सबसे बड़ी कमजोरी है, जिसके आगे मैं हर बार हार जाती हूं। इसका होना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी किस्मत हैज और, जब इसने पहली बार मुझे मम्मा कहा था, वो पल मेरी दुनिया का सबसे खूबसूरत लम्हा बन गया था। अभिनेत्री का यह वीडियो प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। वे माही की सुपर मॉम, स्वीट, और बेस्ट मॉम जैसे शब्दों से सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने बच्चों के साथ अक्सर वीडियो बनाती हैं और इंस्टाग्राम पर पोस्ट भी करती हैं। इससे पहले उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह उनके साथ खेलती नजर आ रही थीं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया था, मेरे बच्चे ही मेरी ताकत हैं, मेरी सबसे बड़ी खुशी हैं। तुम्हें बढ़ते और खिलते देखना मेरे जीवन का सबसे अनमोल सुख है। मां बनने का सौभाग्य देने के लिए धन्यवाद। माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में शादी की थी। इस कपल ने 2017 में दो बच्चों, राजवीर और खुशी, को फॉस्टर पैरेंट बनकर अपनाया था। वहीं, 2019 में आईवीएफ के जरिए अपनी बेटी तारा का स्वागत किया।

माही के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें टीवी शो लागी तुझसे लगन में नकुशा के किरदार से बड़ी पहचान मिली। उन्होंने कई अन्य टीवी शो जैसे बालिका वधू में भी काम किया। साल 2019 में बेटी तारा के जन्म के बाद से उन्होंने छोटे पर्दे से दूरी बना ली और तब से अपने परिवार को समय दे रही हैं।

रणवीर शोरे ने बताया क्यों ठुकराई टाइगर जिंदा है

● फीस में की गई थी कटौती, टाइगर-3 में कैरेक्टर मरता दिखाए जाने पर हो गए गुस्सा

एक्टर रणवीर शोरे सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म एक था टाइगर में नजर आए थे, हालांकि दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है में वो नजर नहीं आए। अब रणवीर शोरे ने खुद दूसरी फिल्म छोड़ने की वजह बताई है। साथ ही ये भी कहा है कि दूसरी फिल्म ठुकराने के बावजूद वो गुस्से में टाइगर 3 का हिस्सा बने थे। हाल ही में डिजिटल कमेंट्री को दिए इंटरव्यू में रणवीर शोरे ने टाइगर जिंदा है न करने पर कहा, टाइगर 2 (टाइगर जिंदा है) भी मुझे ऑफर हुई। पहली जब बनी तो जब मैं स्क्रीनिंग पर गया तो यश जी थे सलीम साहब थे उन्होंने भी मेरी पीठ थपथपाई औप कहा बहुत अच्छा काम किया तुमने।

मैं भी खुश यार। लेकिन जब पार्ट टू की स्क्रिप्ट आई, रोल मेरा पहले वाले से भी छोटा और पैसे जो ऑफर कर रहे हैं वो पहले वाले से भी कम थे, तो मैंने कहा ऐसा क्यों कर रहे हो यार। अगर लोग मेरे रोल की तारीफ कर रहे हैं तो आपको रोल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, नहीं यही है, तो फिर मैंने मना कर दिया। आगे रणवीर शोरे ने कहा, तीसरे पार्ट (टाइगर 3) में क्या हुआ कि गिरीश जी (गिरीश कर्नाड) का निधन हो गया था। तो टाइगर की ओरिजिनल टीम थी, उसमें मैं ही बचा था, गिरीश जी थे और मैं था। इस बार भी मुझे जो रोल मिला, वो तो आपने देखा ही है, हम इस बारे में बात कर सकते हैं कोई स्पॉइलर नहीं है। तो मैंने कहा तुम मुझे वापस बुला रहे हो मारने के लिए, उन्होंने कहां, हां। पहले तो मुझे भी चोट लगी, लेकिन फिर कहते हैं न गुस्से में आकर कहा कि ठीक है मैं अपने कैरेक्टर को मौत देने आ जाऊंगा। अगर तुम ये इज्जत दे रहे हो इस कैरेक्टर को तो मरने के लिए मैं आ जाऊंगा।

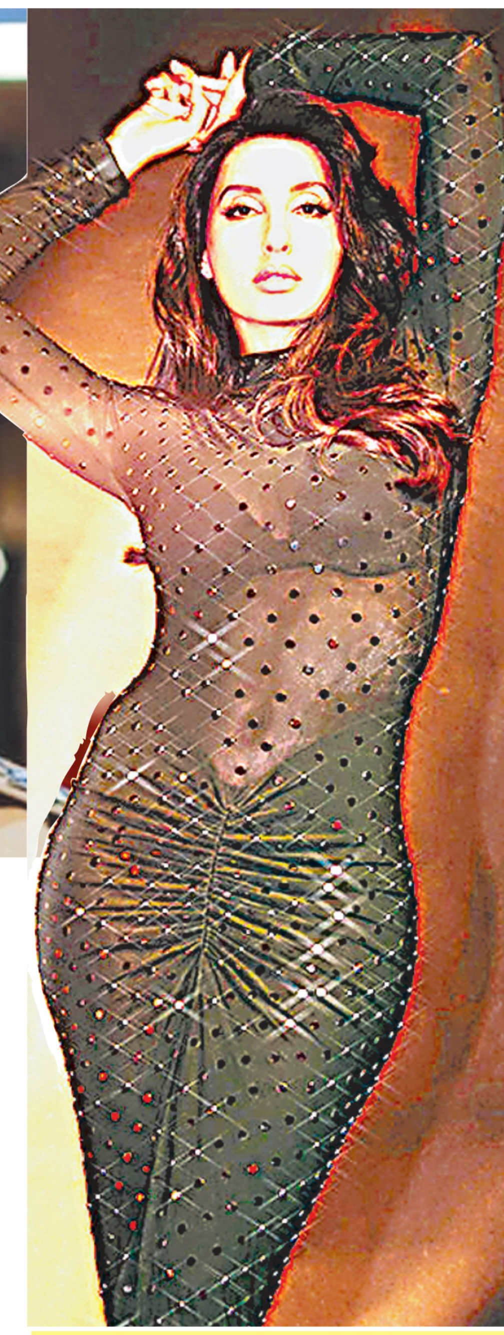

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने

8.6 करोड़ मंथली लिस्नर के साथ एक नया मुकाम किया हासिल

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही लगातार म्यूजिक की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं। यूट्यूब पर 86 मिलियन मासिक श्रोताओं के साथ, जो यह दर्शाता है कि उनका संगीत सीमाओं से परे जाकर लोगों के दिलों को छू रहा है। उनके गानों में विभिन्न संस्कृतियों का मेल और एक अनोखा अंदाज़ दिखता है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है। यह बढ़ती लोकप्रियता सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उनके संगीत की उस सार्वभौमिक अपील को दर्शाती है जो भाषाओं और देशों की सीमाओं से परे तक जाती है।

यह पहली बार नहीं है जब नोरा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी उपलब्धि हासिल की हो। जेसन डेरुलो के साथ उनका इंटरनेशनल कोलैबरेशन स्नेक ने 130 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ हासिल कर चुका है। जिससे यह साबित हुआ कि वह भारतीय सीमाओं से परे भी अपनी पहचान बनाने में सक्षम हैं। इसके अलावा, रेवान्नी के साथ उनका वायरल अफ्रीकी बीट्स से प्रेरित गाना ओह मामा! टेटेमा को भी काफी पसंद किया गया। यह साफ़ है कि नोरा अब ग्लोबल म्यूजिक सीन में अपनी खास जगह बना चुकी हैं – जहां वह गायकी, डांस और विजुअल स्टोरीटेलिंग को मिलाकर एक अनोखी कला प्रस्तुत करती हैं। इस बड़ी खबर पर नोरा ने अपनी खुशी और हैरानी को इंस्टाग्राम स्टोरी में ज़ाहिर किया। उन्होंने कहा, मुझे अभी-अभी पता चला कि यूट्यूब पर मेरे 86 मिलियन मासिक श्रोता हैं। मुझे तो यह भी नहीं पता था कि यूट्यूब पर मासिक श्रोताओं की गिनती होती है। ओ माय गॉड, यह तो पागलपन है! मैं थोड़ी हैरान हूं, लेकिन यह वाकई कमाल है। आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मेरी म्यूजिक को इतना प्यार दिया। और हालाँकि 8.6 करोड़ मासिक श्रोताओं की संख्या बहुत बड़ी है, इतने बड़े आंकड़े के बावजूद नोरा अभी और आगे की सोच रही हैं। उन्होंने बताया, नई म्यूजिक आने वाली है। मैं कुछ बहुत खास पर काम कर रही हूं। अगला महीना यानी अक्टूबर, बहुत बड़ा होगा। कुछ धमाकेदार आने वाला है। इन आंकड़ों को और खास बनाता है उनका ऑर्गैनिक फैनबेस – जो स्वाभाविक रूप से बढ़ा है। उनका संगीत केवल क्लब्स या इवेंट्स में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के लोगों की पर्सनल प्लेलिस्ट्स का हिस्सा बन चुका है। यह इस बात का प्रमाण है कि वह भाषा, ध्वनि और संस्कृति के मेल को एक ऐसे रूप में पेश करती हैं, जो हर किसी को अपना दिवाना बना लेता है। फैंस के बीच अब अगली रिलीज़ को लेकर उत्साह चरम पर है, और यह लहर और भी बड़ी होती जा रही है। नोरा जहां म्यूजिक में ग्लोबली छाई हुई हैं, वहीं उनकी ऑन-स्क्रीन करियर भी तेजी से ऊंचाइयां छू रही है और उनकी स्टार पावर और भी निखरने वाली है।

कपिल शर्मा के शो में खुला राज

अपने पार्टनर में कुछ खास खूबियां चाहती हैं जान्हवी

जान्हवी कपूर की रोमांटिक फिल्म 'परम सुंदरी' रिलीज हो चुकी है, इस फिल्म के प्रमोशन के लिए वह कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर भी पहुंची थी। इस शो पर जान्हवी ने कुछ खूबियां का जिक्र जो वह अपने पार्टनर चाहती हैं। हाल ही में जान्हवी कपूर को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में फिल्म 'परम सुंदरी' के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ देखा गया। दोनों ने जहां फिल्म को लेकर बातचीत की, वहीं अपनी लव लाइफ के बारे में भी कुछ बातें साझा कीं। जान्हवी ने बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या-क्या खूबियां चाहती हैं। कपिल शर्मा ने शो में पूछा कि जान्हवी आपको कैसे इंप्रेस किया जाए? इस पर वह बोलीं- 'यह खाने पर आधारित है, सर।' आगे सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं, 'इन्हें एक कुक चाहिए।' फिर जान्हवी कपूर कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को खाना बनाना आना चाहिए, वह खाने के शौकीन होने चाहिए। हां, वह तीखा खाना सहन कर पाते हों।' दरअसल, जान्हवी को तीखा खाना बहुत पसंद है। वह आगे जवाब देती हैं, 'बेशक, खाने के साथ अगर हरी मिर्ची साइड में नहीं रखी तो वो खाना ही क्या है? बताते चलें कि असल जिंदगी में जान्हवी कपूर का नाम बिजनेसमैन शिखर पहाड़िया से जुड़ा जाता है, दोनों को अक्सर साथ डेट पर देखा भी जाता है। जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले दिन यानी बीते शुक्रवार को इसने 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं आज 4.57 करोड़ रुपये (शुरुआती आंकड़े) का कलेक्शन किया है। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 11.82 करोड़ रुपये हो चुका है।

अक्षरा सिंह के जन्मदिन पर इंडस्ट्री के दोस्तों ने दी खास बधाई

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा अक्षरा सिंह एक्टिंग और गायिकी से भी दर्शकों के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने शनिवार को 32वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनके दोस्त और इंडस्ट्री के कलाकारों ने भी उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेत्री निधि झा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा संग तस्वीरें साझा कीं और इसके बैकग्राउंड में अपूर्वा शेट्टी की आवाज में हैप्पी बर्थडे टू यू गाना ऐड किया। निधि ने इसे कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे स्वीटहार्ट। अभिनेत्री काजल राघवानी ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थ बर्थडे, अक्षरा सिंह। अभिनेत्री मोनालिसा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा सिंह की हालिया पोस्ट की तस्वीर साझा कर इसको कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे, मेरी अक्षरा सिंह। अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें अक्षरा सिंह ग्रीन साड़ी में नजर आ रही हैं। आम्रपाली ने इसे कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे अक्षरी सिंह। हमेशा खुश रहो। अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वह और अक्षरा साइकल में बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि ये वीडियो उनकी पुरानी किसी फिल्म का है। अभिनेता ने इसे कैप्शन दिया, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अक्षरा संग तस्वीर पोस्ट की और इसको कैप्शन दिया, जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई अक्षरा सिंह। हमेशा चमकते रहो, मुस्कराते रहो और धमाल मचाते रहो।

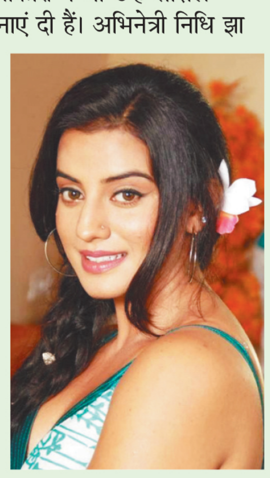

पवन सिंह ने अंजलि राघव से मांगी माफी

➲ कमर छूने पर बवाल मचने के बाद कहा- मेरा इरादा गलत नहीं था, हम सभी कलाकार हैं

अंजलि राघव की कमर पर छूने को लेकर बवाल मचने के बाद भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने माफी मांग ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके इरादे गलत नहीं थे। फिर भी अगर उन्हें बुरा लगा हो तो वो माफी मांगते हैं। उनका पोस्ट वायरल हो रहा है। भोजपुरी स्टार पवन सिंह विवादों में फंस गए हैं। लखनऊ में हुए एक इवेंट में उन्होंने एक्ट्रेस अंजलि राघव की कमर को छुआ, जिससे बवाल मच गया। हर तरफ उनकी आलोचना हुई। एक्ट्रेस ने तो इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान तक कर दिया। अब पवन ने उनसे माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और लिखा कि उनका इरादा गलत नहीं था, सभी कलाकार हैं, फिर भी बुरा लगा हो तो माफी मांगते हैं। पवन सिंह ने इंस्टाग्राम स्टेटस पर राघव से माफी मांगी है। उन्होंने लिखा है, अंजलि जी व्यस्त शेड्यूल के कारण मैं आपका लाइव देख नहीं पाया, मुझे जब इस बात की जानकारी हुई तो मुझे बुरा लगा, मेरा आपके प्रति कोई भी गलत इंटेंशन (इरादा) नहीं था, क्योंकि हम लोग कलाकार हैं। पवन सिंह ने आगे लिखा, इसके बावजूद अगर आपको हमारे किसी भी व्यवहार से तकलीफ हुई हो तो उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं।

पवन सिंह का क्रिप्टिक नोट

इससे पहले पवन सिंह ने अपनी एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वो हाथ जोड़कर खड़े हैं। उन्होंने क्रिप्टिक नोट में लिखा, एक कहावत है- जिस तन लागे सो तन जाने । कोई न जाने पीर पराई ।। यानी जिसे दर्द या तकलीफ होती है, वही उसका अनुभव कर सकता है।

जावेद बोले- किस्मत ने यह मौका नहीं दिया

मोहम्मद रफी के लिए ना लिख पाने का अफसोस

मुंबई में शनिवार को मशहूर गायक मोहम्मद रफी की याद में एक खास संगीतमय कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर दिग्गज गीतकार जावेद अख्तर और अभिनेता जितेन्द्र विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का नाम था 'रूह-ए-रफी', जिसमें संगीत की दुनिया के कई कलाकारों ने रफी साहब को अपनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जावेद अख्तर ने भावुक होते हुए कहा कि उनका सबसे बड़ा अफसोस यही है कि वो उस दौर में गीत नहीं लिख पाए जब रफ़ी साहब जिंदा थे। उन्होंने बताया कि जब वह इंडस्ट्री में आए, तब वह बतौर स्क्रिप्ट राइटर सक्रिय थे और गीत लिखने का सिलसिला बाद में शुरू हुआ। अख्तर ने कहा कि दिल में हमेशा यह ख्वाहिश रही कि कभी उनके लिखे गीत को रफी साहब अपनी आवाज दें, लेकिन किस्मत ने यह मौका नहीं दिया।

मोहम्मद रफी के गीत– उन्होंने अपने पसंदीदा रफी गीतों का जिक्र भी किया, जिनमें जाग दिल ए दीवाना, मेरी दुनिया में तुम आई, साथी न कोई मंजिल और हुई शाम उनका ख्याल आ गया जैसे अमर गीत शामिल रहे। अख्तर ने कहा कि किसी सभ्य समाज की पहचान यही है कि वह अपने कलाकारों को याद रखता है और उन्हें सम्मान देता है। रफी साहब की आवाज लोगों के दिलों में आज भी वैसी ही गूंजती है जैसी उनके जमाने में गूंजा करती थी।

जितेंद्र की पुरानी धुनों को लेकर राय– वहीं अभिनेता जितेन्द्र ने भी रफी साहब के योगदान और पुराने संगीत की खूबसूरती पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आजकल हर दिन नए गायक सामने आ जाते

हैं, लेकिन पुराने समय में सिर्फ चार-पांच गायक थे जिनकी आवाजों ने दशकों तक राज किया। जितेंद्र ने साफ कहा कि लता मंगेशकर, आशा भोसले, रफी साहब और किशोर कुमार जैसी शख्सियतों का जादू दोबारा पैदा करना लगभग नामुमकिन है। उनके मुताबिक आज भले ही टैलेंट की कोई कमी नहीं, लेकिन उस दौर की आत्मा और गहराई अब नहीं मिल पाती।

रफी साहब की अमर आवाज

रफी साहब के लिए आयोजन– बता दें यह संगीतमय संध्या वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी, संगीतकार और लेखक राजेश धाबरे द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

धाबरे लंबे समय से रफी साहब की गायकी और उनकी विरासत को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इस शाम को 'रूह-ए-रफी' नाम देकर उन्होंने रफ़ी की आत्मा और सुरों को श्रद्धांजलि दी।

फिटनेस टेस्ट से गुजरे रोहित शर्मा

एशिया कप से पहले शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी भी पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल एशिया कप 2025 की तैयारियों और फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं. गिल के साथ-साथ वनडे के कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई में पहुंचे हैं. भारतीय टीम के सदस्य 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होंगे, ताकि 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच की तैयारी कर सकें.

38 साल के रोहित शर्मा, जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वो भी सीओई में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया रविवार तक पूरी हो सकती है, और यह देखना रोचक होगा कि रोहित, जो अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, नए सीजन की शुरुआत कैसे करते हैं. रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं. इस फिटनेस

टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट से गुजरना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों के पहले दिन के टेस्ट हो गए हैं.

वहीं, रविवार को दूसरे दिन के टेस्ट होंगे और फिर नतीजे सामने आ जाएंगे. गिल को हाल ही में वायरल बुखार के कारण चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की कप्तानी करने से चूकना पड़ा था. वह चंडीगढ़ में अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे और अब पूरी तरह ठीक होने के बाद बेंगलुरु पहुंचे हैंय इस बार खिलाड़ी अलग-अलग जगहों से दुबई पहुंचेंगे, जो कि पहले की परंपरा से अलग है, जब पूरी टीम मुंबई से एक साथ यात्रा करती थी.

संभावना है कि गिल बेंगलुरु से सीधे दुबई के लिए उड़ान भर सकते हैं. दूसरी ओर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी टेस्ट के लिए पहुंचे हैं, जो एशिया कप खेलने वाले हैं.

ये खिलाड़ी भी पहुंचे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जीतेश शर्मा भी प्री-टूर्नामेंट तैयारियों के लिए सीओई पहुंच गए हैं. शार्दूल ठाकुर भी प्री-सीजन टेस्ट के लिए जल्द ही सीओई गए हैं. शार्दूल ठाकुर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करेंगे, जबकि जायसवाल और सुंदर, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय लिस्ट में हैं, घरेलू सीजन के आखिरी चार मैचों में भी हिस्सा लेंगे.

अश्विन का विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें के बीच खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद हाल ही में आधिकारिक तौर पर आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। जहां आईपीएल से संन्यास के बाद अश्विन के विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें उड़ रही थी वहीं अब अश्विन ने खुलासा किया है कि कोचिंग उनका भविष्य हो सकता है। 38 वर्षीय अश्विन ने अपना आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समाप्त किया। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर अश्विन ने खुलासा किया कि कोचिंग ही उनका भविष्य है।

अश्विन ने कहा, मैं बहुत आवेगशील व्यक्ति हूं। जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे भागता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला अध्याय शायद कोचिंग हो सकता है। इसके लिए मैं इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि अश्विन ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने इस विषय (कोच-कम-खिलाड़ी) पर चर्चा की थी। मैं नाम नहीं लूंगा क्योंकि यह मेरे लिए सही नहीं होगा। लेकिन हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में कोचिंग की भूमिका भी निभा सकता है। यह बात आगे नहीं बढ़ी।

थप्पड़कांड वीडियो विवाद पर ललित मोदी का श्रीसंत की पत्नी को जवाब, बोले- मैंने सच साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को आड़े हाथों लिया था, क्योंकि उन्होंने 2008 आईपीएल स्लैप-गेट विवाद का अनदेखा वीडियो सार्वजनिक किया। यह घटना श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच हुई थी। अब ललित मोदी ने भुवनेश्वरी की आलोचना का जवाब दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पॉडकास्ट के दौरान मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान ललित मोदी ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच खत्म होने के बाद हैंडशेक के दौरान हरभजन सिंह, श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर 11 मैचों का प्रतिबंध लगा था। ललित मोदी ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं पता कि वह (श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी) क्यों नाराज हैं। मुझसे एक सवाल पूछा गया था, और मैंने सच बता दिया। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। मैं सच बोलने के लिए जाना जाता हूं। श्रीसंत विक्टिम थे और मैंने वही कहा। इससे पहले किसी ने मुझसे यह सवाल नहीं किया था, इसलिए जब क्लार्क ने पूछा तो मैंने जवाब दिया।

मोदी ने माइकल क्लार्क को यह भी समझाया कि यह क्लिप उनकी सिक्योरिटी कैमरा फुटेज से मिली थी, क्योंकि उस समय ब्रॉडकास्टर ने अपने कैमरे बंद कर दिए थे। वीडियो में दिखता है कि पोस्ट-मैच हैंडशेक के दौरान हरभजन ने श्रीसंत को बुलाया और फिर थप्पड़ मार दिया। हालांकि, हरभजन ने इस घटना के लिए कई बार सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। हालांकि, बाद में दोनों खिलाड़ियों ने विवाद को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद दोनों कमेंट्री पैनल और विज्ञापनों में भी नजर आए। इससे पहले, भुवनेश्वरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घटना की आलोचना करते हुए इसे घृणित, हृदयहीन और अमानवीय बताया था। भुवनेश्वरी ने लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क, आपको शर्म आनी चाहिए। श्रीसंत और हरभजन दोनों ही जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप पुराने जख्मों को कुरेदने की कोशिश कर रहे हैं। बेहद घिनौना, बेरहम और अमानवीय। श्रीसंत ने भी इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट को रीशेयर किया था।

कीरोन पोलार्ड का जश्न 24 घंटे भी नहीं चला

एक ही दिन में आगे निकल गए इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स

तरौबा, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में अपने 14000 रन पूरे किए। अब एक दिन बाद ही इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के भी टी20 में 14 हजार रन हो गए हैं। हेल्स भी इसी लीग में खेल रहे हैं और पोलार्ड की टीम त्रिबानगो नाइट राइडर्स का ही हिस्सा हैं। हेल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 74 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान उनके 14 हजार रन पूरे हो गए।

हेल्स 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हेल्स और पोलार्ड से पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम इस फॉर्मेट में 14000 रन थे। 36 साल के हेल्स ने 2009 में टी20 डेब्यू किया था। अभी तक 505 पारियों में उन्होंने 30 की औसत से 14024 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 89 अर्धशतक निकले। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 145.44 का है। हेल्स सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले एक्टिव बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रनों में पोलार्ड से आगे निकले हेल्स

एलेक्स हेल्स टी20 में रन बनाने के मामले में कीरोन पोलार्ड से आगे निकल गए हैं। पोलार्ड पोलार्ड ने गुनाया के खिलाफ मैच में 12 रन बनाए। इस तरह उनके इस फॉर्मेट में 14012 रन हैं। वहीं हेल्स के 14024 रन हो गए हैं। क्रिस गेल के सबसे ज्यादा 14562 रन हैं। गेल ने 2022 के बाद टी20 नहीं खेला है। ऐसे में पोलार्ड और हेल्स दोनों के पास ही टॉप पर जाने का मौका है।

मैग्नस कार्लसन 8 महीने पहले जिस कारण मुकाबले से हुए बाहर, FIDE ने उस नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की नियम बनाने वाली 101 साल पुरानी संस्था इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, फिडे ने अपने ड्रेस कोड में ढील दी है। उसने खिलाड़ियों को आगामी ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंटों में उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति दी है। फिडे का यह कदम मैग्नस कार्लसन के 'जींस पहनने' विवाद के आठ महीने बाद आया है। मौजूदा पीढ़ी के शतरंज के सबसे महान खिलाड़ी कार्लसन ने जींस पहनने के लिए जुर्माना लगने के बाद फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप को बीच में ही छोड़ दिया था। कार्लसन ने कहा था कि उन्होंने सिद्धांत के आधार पर इस टूर्नामेंट को छोड़ दिया था। उन्होंने बाद में उस विशेष जींस को ईबे पर एक ऑनलाइन नीलामी में 31 लाख रुपये (36,100) में बेच दिया।

ड्रेस कोड में बदलाव: ड्रेस कोड में बदलाव के बाद भी कार्लसन के उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस इवेंट में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन शुक्रवार (29 अगस्त) को प्रकाशित संशोधित फिडे नियमों का मतलब है कि अन्य खिलाड़ियों को तीन रंगों नीले, काले और भूरे रंग की नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनकर खेलने की अनुमति होगी।

जींस पहनने की अनुमति: फिडे के एक बयान में कहा गया है, आधिकारिक ड्रेस कोड के तहत अब उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति है। यह बदलाव खिलाड़ियों को ज्यादा आराम और अपनी पसंद चुनने की आजादी देता है।

विश्वनाथन आनंद ने बताया नियमों में बदलाव की वजह: फिडे के उपाध्यक्ष और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को बताया कि शतरंज संस्था ने कई खिलाड़ियों से सलाह-मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी !

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस: फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल: भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स: दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

CPL 2025: एक ही मैच में 2 हैट्रिक से चूककर भी छाए इमरान ताहिर, 46 की उम्र में वो किया, जो कोई सोच भी नहीं सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में इमरान ताहिर एक ही मैच में 2 बार हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि, उससे चूकते हुए 46 साल के गेंदबाज ने वो किया, जिसके बारे में कोई इतनी उम्र में करने की सोच भी नहीं सकता. उन्होंने सीपीएल 2025 में अपने नाम का डंका बजाया.

मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच था. इसी मैच में गयाना की ओर से खेल रहे इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ एक नहीं दो बार हैट्रिक लेने से चूकते दिखे. ऐसा कैसे हुआ, आइए जानते हैं. हुआ ये कि मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए. जवाब में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स ने बड़ी जोरदार शुरुआत की. हेल्स और मुनरो की ओपनिंग जोड़ी के बीच पहले 10 ओवर में शतकीय साझेदारी हुई. मगर उसके बाद 11वां ओवर डालने इमरान ताहिर आए.

ऐसे चूकी पहली हैट्रिक

46 साल के इस लेग स्पिनर ने मैच में डाले अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट कर दिया. उसके बाद सबकी निगाहें ओवर की 5वीं गेंद पर जम गई. मगर ताहिर को उस पर सफलता नहीं मिली और वो इस मैच में पहली दफा हैट्रिक से चूक गए.

ऐसे दूसरी हैट्रिक से भी चूके

इमरान ताहिर के पास हैट्रिक लेने का एक और मौका आया. उन्होंने अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर को विकेट के साथ खत्म किया. आखिरी गेंद पर उन्होंने कार्टी को आउट किया. इसके बाद

जब वो अपना अगला यानी कि चौथा और नाइटराइडर्स की इनिंग का 15वां ओवर डालने आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर एलेक्स हेल्स को चलता कर दिया. मतलब, अब एक बार फिर से इमरान ताहिर हैट्रिक पर थे. उन्होंने इस बार भी कोशिश भरपूर की. अपने कोटे के आखिरी और नाइट राइडर्स की इनिंग के 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने पोलार्ड को बीट भी किया. मगर वो बच गए. और, इस तरह मैच में दूसरी बार इमरान ताहिर अपने हैट्रिक से चूकते दिखे.

इमरान ताहिर रहे विकेट लेने वाले टीम के इकलौते गेंदबाज

दो बार हैट्रिक से चूके इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ गयाना के सबसे सफल गेंदबाज रहे. वो इकलौते गेंदबाज रहे जिन्होंने गयान की ओर से इस मैच में विकेट लिए. 46 साल के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट झटके. हालांकि, ताहिर के अलावा बाकी गेंदबाजों की नाकामी गयाना को भारी पड़ी और उसने 6 विकेट से मैच गंवा दिया.

उम्र 46 की, फिर भी 2025 में सबसे ज्यादा विकेट

इमरान ताहिर पीएसएल और द हंड्रेड में हैट्रिक ले चुके हैं. सीपीएल 2025 में दो बार उनके लिए मौका बना मगर वो चूक गए. हालांकि, इस चूक के बाद भी इमरान ताहिर सीपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. उनके नाम अब तक 12 विकेट हैं. युवाओं का खेल कहे जाने वाले टी-20 क्रिकेट में 46 साल के गेंदबाज के लिए ये एक बड़ी बात है.

गडकरी का बयान: धर्म के काम से नेताओं को दूर रखें, राजनीति में घालमेल समाज के लिए घातक

-धर्म की आड़ में राजनीति विकास और रोज़गार जैसे मुद्दों को पीछे धकेल देती है

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को नागपुर में आयोजित महानुभाव पंथ सम्मेलन में समाज और राजनीति से जुड़े एक अहम विषय पर बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि धर्म के काम में नेताओं और मंत्रियों की दखलअंदाजी से समाज को सिर्फ नुकसान ही होता है। गडकरी का कहना था कि जब-जब राजनीतिज्ञ धार्मिक गतिविधियों में घुसे हैं, उन्होंने वहां शांति और सद्भाव के बजाय विवाद और तनाव को जन्म दिया है।

धर्म और राजनीति का मिश्रण समाज के लिए घातक

गडकरी ने साफ कहा कि धर्म, समाज सेवा और राजनीति – ये तीनों अलग-अलग कार्यक्षेत्र हैं। धर्म इंसान की व्यक्तिगत आस्था और श्रद्धा का विषय है। इसका सीधा ताल्लुक व्यक्ति की आध्यात्मिकता और आंतरिक संतुलन से है। लेकिन जब राजनीति इसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने लगती है, तो असल मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि विकास, रोजगार और समाज सुधार जैसे जरूरी मुद्दे दूसरे दर्जे के हो जाते हैं और धार्मिक बहसें प्राथमिकता पा लेती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सत्ता के हाथ में अगर धर्म आ गया, तो उसका नतीजा हमेशा नकारात्मक होता है। नेताओं के दखल से धार्मिक संस्थानों और आयोजनों में आग लगाने का काम ज्यादा होता है, सुलह-सफाई का नहीं।

नेताओं को धर्मकाज से दूर रखने की अपील

गडकरी ने जनता से सीधी अपील करते हुए कहा कि धर्म के कामकाज से नेताओं और मंत्रियों को दूर रखना चाहिए। धर्म का संचालन धर्मगुरु, विद्वान और श्रद्धालु समुदाय के लोगों के हाथ में रहना चाहिए। राजनीतिक हस्तक्षेप वहां अशांति और विभाजन को बढ़ावा देता है। उनका कहना था कि धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोगों की मंशा समाज की भलाई नहीं होती, बल्कि वोट और सत्ता हासिल करना होता है। यही वजह है कि धर्म के क्षेत्र में राजनीतिक हस्तक्षेप से समाज में वैमनस्य और टकराव बढ़ता है।

विकास और रोजगार पर पड़ेगा असर

गडकरी ने यह भी कहा कि जब राजनीतिज्ञ धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करने लगते हैं, तो असली मुद्दे जैसे रोजगार, गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास हाशिए पर चले जाते हैं। लोग असली समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय धर्म के नाम पर बंटने लगते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि इस प्रवृत्ति से समाज का नुकसान होता है और देश का विकास रुकता है।

महानुभाव पंथ सम्मेलन में दिया संदेश

गडकरी नागपुर में आयोजित महानुभाव पंथ के सम्मेलन में बोल रहे थे। महानुभाव पंथ का संबंध संत ज्ञानेश्वर और संत चांगदेव परंपरा से माना जाता है, जो आध्यात्मिकता, सदाचार और समाज सेवा पर बल देती है। इसी मंच से गडकरी ने यह संदेश दिया कि धर्म का काम समाज में सद्भाव, शांति और सेवा का होना चाहिए, न कि सत्ता और राजनीति का।

धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय

गडकरी ने कहा कि धर्म व्यक्ति के दिल और आत्मा का मामला है। यह इंसान की अंतरात्मा को मजबूत करने और सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देने का साधन है। ऐसे में इसका राजनीति से कोई सीधा लेना-देना नहीं होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि धर्म और समाज सेवा का असली मकसद लोगों को जोड़ना है, जबकि राजनीति अक्सर उन्हें बांट देती है।

राजनीति का असली मकसद

गडकरी ने यह भी कहा कि राजनीति का मूल उद्देश्य जनता की भलाई, विकास और प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए। लेकिन अगर राजनीति धर्म के नाम पर की जाएगी, तो यह अपने असली उद्देश्य से भटक जाएगी। उन्होंने जनता से कहा कि वे नेताओं से विकास और रोजगार जैसे मुद्दों पर सवाल करें, न कि धर्म के नाम पर। नितिन गडकरी का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में धर्म और राजनीति का मेल-जोल बार-बार चर्चा का विषय बनता रहा है। उनका कहना कि "राजनीतिज्ञ जहां घुसते हैं, आग लगाए बिना नहीं रहते" समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह संदेश लोगों को सोचने पर मजबूर करता है कि क्या धर्म और राजनीति का घालमेल देश की तरक्की में रुकावट पैदा कर रहा है। गडकरी की अपील का सार यही है कि धर्म को धर्मगुरुओं और श्रद्धालुओं के भरोसे छोड़ देना चाहिए, जबकि नेताओं और मंत्रियों को अपनी ऊर्जा विकास, रोजगार और समाज सुधार जैसे असली मुद्दों पर खर्च करनी चाहिए। तभी समाज में शांति, सद्भाव और प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

रिजिजू का विपक्ष पर वार: बहस से भागकर कर रहे राजनीतिक ड्रामा, नुकसान सिर्फ उनका होगा

-विपक्ष का नुक़सान, सरकार को कोई परेशानी नहीं- रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार (30 अगस्त) को बेंगलुरु में वकीलों के संगठन को संबोधित करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने सीधे राहुल गांधी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन इशारों में कहा कि विपक्ष के बड़े नेता चर्चा और बहस से बच रहे हैं और केवल राजनीतिक ड्रामे में व्यस्त हैं। रिजिजू के मुताबिक इससे विपक्ष का ही नुक़सान हो रहा है, जबकि सरकार के पास बहुमत है और चाहे तो वह बिना किसी दिक़्क़त के विधेयक पास करवा सकती है।

संसद में बहस से भागना विपक्ष के लिए घाटे का सौदा

रिजिजू ने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है और यहां जनता की आवाज़ को सुनना व उसे आगे बढ़ाना ही सांसदों का असली काम है। अगर विपक्ष के नेता बहस में हिस्सा नहीं लेते, केवल वॉकआउट या हंगामे का रास्ता अपनाते हैं, तो इससे आम जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद में हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार तैयार रहती है, लेकिन विपक्ष की रणनीति केवल टकराव पैदा करने की है।

सरकार बहुमत में है, विधेयक आसानी से पारित हो सकते हैं

संसदीय कार्य मंत्री ने याद दिलाया कि वर्तमान सरकार बहुमत में है और उसके पास विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष चर्चा नहीं चाहता, तो भी सरकार को कोई समस्या नहीं है। लेकिन यह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए ठीक नहीं है। लोकतंत्र की असली ताक़त तब दिखती है जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर गंभीर मुद्दों पर बहस करते हैं।

युवा सांसदों को दी नसीहत

रिजिजू ने कार्यक्रम में मौजूद वकीलों और युवाओं के सामने अपनी बात रखते हुए कहा कि युवा सांसदों को अपने नेताओं के दबाव से ऊपर उठना चाहिए। अगर किसी दल का नेता उन्हें संसद में केवल हंगामा करने का निर्देश दे, तो उसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा – "आप जनता की आवाज़ उठाने के लिए संसद में आए हैं, न कि केवल नारेबाज़ी और ड्रामेबाज़ी के लिए।"

संसद की कार्यवाही जनता की उम्मीदों से जुड़ी

उन्होंने यह भी कहा कि संसद में उठाए गए हर मुद्दे का सीधा असर जनता की उम्मीदों और ज़रूरतों से जुड़ा होता है। यदि विपक्ष बार-बार हंगामा करके कार्यवाही को रोकता है, तो असल में जनता की समस्याएं नज़रअंदाज़ होती हैं। रिजिजू के मुताबिक, विपक्ष को सरकार से जवाब मांगने का पूरा अधिकार है, लेकिन उसके लिए सही मंच बहस और चर्चा ही है।

विपक्ष का लगातार टकराव लोकतंत्र को कमज़ोर कर रहा है

रिजिजू ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की बराबर ज़िम्मेदारी होती है। सत्ता पक्ष की ज़िम्मेदारी योजनाओं और नीतियों को लागू करने की है, जबकि विपक्ष का काम है उन नीतियों पर सवाल उठाना और कमियों को उजागर करना। लेकिन जब विपक्ष केवल टकराव और बहिष्कार की राजनीति करता है, तो वह अपनी भूमिका निभाने में असफल साबित होता है। उन्होंने कहा कि यह रवैया अंततः विपक्ष की विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुँचाता है।

'दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र' और उसकी चुनौतियाँ

बेंगलुरु में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय था – दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसदीय प्रणाली। रिजिजू ने बताया कि भारत की संसदीय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे मज़बूत और जीवंत लोकतांत्रिक परंपरा का उदाहरण है। लेकिन इसके बावजूद कई बार देखने को मिलता है कि संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा बाधित हो जाती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति होना ज़रूरी है, लेकिन असहमति का रास्ता केवल संवाद और बहस से ही निकलना चाहिए, न कि अव्यवस्था और नारेबाज़ी से।

जनता की नज़रें संसद पर टिकी होती हैं

रिजिजू ने यह भी कहा कि जब जनता संसद की कार्यवाही देखती है, तो उसे उम्मीद होती है कि उसके प्रतिनिधि उसकी समस्याओं पर गंभीर बहस करेंगे। लेकिन जब केवल हंगामा और नारे सुनाई देते हैं, तो यह जनता के विश्वास को तोड़ता है। उन्होंने कहा – "जनता ने सांसदों को इसलिए नहीं चुना कि वे केवल सदन को ठप करें, बल्कि इसलिए चुना कि वे उनकी आवाज़ बनें।" किरण रिजिजू का यह बयान विपक्ष के लिए एक सीधी चेतावनी की तरह है कि यदि वह बहस और चर्चा से बचता रहेगा, तो उसका नुकसान होगा। सरकार को बहुमत की ताक़त हासिल है, इसलिए विधेयक पास कराने में कोई दिक़्क़त नहीं है।

उत्तर भारत में बारिश और तबाही: हिमाचल से जम्मू-कश्मीर तक बाढ़ और भूस्खलन का कहर

देहरादून/चंडीगढ़। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पिछले दो दिनों से जारी मूसलधार बारिश के कारण सड़कें धंस गईं, मकान गिर गए और गांवों में पानी भर गया। हालत यह है कि कहीं बांध टूट रहे हैं तो कहीं खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह डूब चुकी है। राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं।

हिमाचल में लैंडस्लाइड से चार की मौत

हिमाचल प्रदेश में रविवार रात से बारिश लगातार जारी है। राजधानी शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा क्षेत्रों में देर रात भूस्खलन (लैंडस्लाइड) की घटनाओं ने तबाही मचा दी। मलबे में दबकर चार लोगों की मौत हो गई। कुल्लू सहित 10 जिलों में प्रशासन ने सोमवार को सभी स्कूल और कॉलेज बंद रखने के आदेश दिए। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें भूस्खलन और मलबा गिरने के कारण बंद हो गई हैं। इससे पर्यटन और स्थानीय लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हुई है। पहाड़ी इलाकों में लोगों को घरों से बाहर न निकलने की हिदायत दी गई है।

पंजाब में 11 जिले बाढ़ की चपेट में

पंजाब के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन और बरनाला प्रमुख हैं। अब तक 1312 गांव जलमग्न हो चुके हैं। जालंधर और लुधियाना के कई इलाकों में चार फीट तक पानी भर चुका है। अमृतसर के घोनेवाला में धुस्सी बांध टूट गया, जिससे आसपास का लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया। वहीं, भाखड़ा डैम के गेट खोलने पड़े ताकि बांध पर दबाव कम किया जा सके।

हरियाणा में खेत डूबे, मकान गिरे

हरियाणा के यमुनानगर, सिरसा और पंचकूला समेत छह जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। हथिनीकुंड बैराज पर रात दो बजे करीब 1 लाख 5 हजार क्यूसेक पानी आने के बाद सभी फ्लड गेट खोलने पड़े। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया। सिरसा जिले में देर रात दो मकानों की दीवारें गिर गईं। वहीं, एक नहर टूटने से करीब 50 एकड़ में खड़ी फसल पूरी तरह पानी में डूब गई। इससे किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भी तबाही

उत्तराखंड में सोमवार को केदारनाथ नेशनल हाईवे पर भूस्खलन हुआ। मलबे में दबकर दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे को बंद कर दिया गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में भी लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। यहां 12 घर पूरी तरह ढह गए। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।

हालात से निपटने की चुनौती

बारिश और बाढ़ से सबसे ज्यादा मुश्किल ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में है। सैकड़ों सड़कें बंद होने से लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाना कठिन हो गया है। सेना और एनडीआरएफ की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। कई जगहों पर मोबाइल नेटवर्क और बिजली सप्लाई बाधित है। स्कूलों की छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं और प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

एससीओ समिट में भारत की बड़ी जीत: पहलगाम आतंकी हमले की निंदा

-पाकिस्तान के सामने कड़ा संदेश

बीजिंग (एजेंसी)। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (SCO) के चीन में आयोजित शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल हुई। इस सम्मेलन के दौरान जारी किए गए घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई। इस घोषणा की अहमियत इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे, और पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के आरोपों से बचता रहा है।

पहलगाम हमले का संदर्भ

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले में सुरक्षा बलों और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। भारत ने शुरुआत से ही साफ कहा था कि इस हमले के पीछे सीमा पार से पनपने वाले आतंकवादी संगठन जिम्मेदार हैं। भारत ने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार उठाया और कहा कि आतंकवाद सिर्फ एक देश की समस्या नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती है, जिसे मिलकर खत्म करना होगा।

घोषणापत्र में स्पष्ट संदेश

इस बार एससीओ के घोषणापत्र में साफ कहा गया कि "इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है।" यह बयान अपने आप में एक ठोस संदेश है कि आतंकवाद किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत के लिए यह इसलिए बड़ी जीत है क्योंकि पहले भी कई बार पाकिस्तान की उपस्थिति में ऐसे घोषणापत्रों में आतंकवाद का जिक्र टाल दिया जाता रहा है। जून में हुई एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत ने इसी कारण घोषणापत्र पर साइन करने से इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें पहलगाम हमले का उल्लेख नहीं था। भारत ने साफ कर दिया था कि जब तक आतंकवाद के मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, वह आधे-अधूरे बयानों का हिस्सा नहीं बनेगा।

पाकिस्तान की असहज स्थिति

शिखर सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मौजूद थे। आतंकवाद पर चर्चा और पहलगाम हमले की निंदा पाकिस्तान के लिए बेहद असहज स्थिति लेकर आई। लंबे समय से पाकिस्तान पर आतंकवादी संगठनों को पनाह देने और समर्थन करने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी मौजूदगी में इस तरह का बयान आना भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है।

भारत की कूटनीति का असर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाते रहे हैं कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा खतरा है। भारत ने हमेशा कहा है कि आतंकवाद को अच्छे और बुरे आतंकवाद में बांटने की प्रवृत्ति खतरनाक है। एससीओ समिट में इस बार भारत की दृढ़ कूटनीति का असर साफ दिखा, जब सभी सदस्य देशों ने एक सुर में आतंकवाद के खिलाफ सख्त बयान को मंजूरी दी।

चीन और रूस का समर्थन

एससीओ में चीन और रूस की भूमिका अहम मानी जाती है। पहले चीन कई बार पाकिस्तान के दबाव में भारत से जुड़े मुद्दों को कमजोर करने की कोशिश करता रहा है। लेकिन इस बार उसने भी पहलगाम हमले की निंदा वाले बयान का समर्थन किया। इससे यह संकेत मिला कि अब बड़ी ताकतें भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की चिंताओं को गंभीरता से ले रही हैं।

वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति मजबूत

एससीओ घोषणापत्र में पहलगाम हमले का उल्लेख होना न सिर्फ भारत की कूटनीतिक जीत है, बल्कि यह संकेत भी है कि वैश्विक मंचों पर भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। आज भारत सिर्फ पीड़ित की भूमिका में नहीं है, बल्कि वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का नेतृत्व करता दिख रहा है।

भविष्य की राह

यह स्पष्ट हो गया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत अब किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं है। भारत की नीति साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों और संगठनों को अलग-थलग करना ही इसका सबसे बड़ा समाधान है। एससीओ जैसे मंच पर भारत की सफलता से भविष्य में आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भी मजबूत हो सकता है। एससीओ समिट में पहलगाम हमले की निंदा और आतंकवादियों को सजा देने पर सहमति, भारत की कूटनीतिक जीत है। पाकिस्तान की मौजूदगी में इस तरह का बयान आना, भारत की दृढ़ नीति और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव का नतीजा है।

अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप: 250 की मौत, 500 से ज्यादा घायल, पाकिस्तान तक झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान एक बार फिर बड़ी प्राकृतिक आपदा की चपेट में आ गया। रविवार रात 6.3 तीव्रता के भूकंप ने देश के पूर्वी हिस्सों को बुरी तरह हिला दिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक यह भूकंप जलालाबाद शहर से करीब 17 मील दूर केंद्रित था। जलालाबाद की आबादी लगभग दो लाख है और यह राजधानी काबुल से सड़क मार्ग द्वारा 100 मील से भी कम दूरी पर स्थित है। झटके इतने तेज़ थे कि लोग आधी रात को अपने घरों से बाहर निकल आए। अब तक की जानकारी के अनुसार, इस भूकंप में कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है और 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अफगानिस्तान के सरकारी प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर लिखा कि देश के कई पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। उन्होंने हालांकि फिलहाल विस्तृत आंकड़े साझा नहीं किए हैं।

कुनार प्रांत में सबसे ज्यादा तबाही

न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) की रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा मौतें अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में हुई हैं। यहां कई गांव पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। ग्रामीण इलाकों में बने कच्चे और कमजोर मकान इस झटके को झेल नहीं पाए और धराशायी हो गए। राहत और बचाव दल लगातार मलबे से लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अस्पतालों में घायलों की भरमार हो गई है। डॉक्टरों और नर्सों के सामने बड़ी चुनौती है क्योंकि स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं और अचानक आई इस आपदा ने हालात और बिगाड़ दिए हैं।

रातभर कांपता रहा जलालाबाद

जलालाबाद शहर, जो इस भूकंप का केंद्र रहा, वहां रातभर दहशत का माहौल रहा। लोग अपने घरों को छोड़कर खुले मैदानों और सड़कों पर आ गए। कई परिवारों ने ठंडी रात आसमान के नीचे बिताई। लगातार आने वाले आफ्टरशॉक्स ने डर और बढ़ा दिया। भूकंप की वजह से बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई और कई जगह संचार नेटवर्क ठप हो गया। इससे राहत कार्यों में और दिक्कतें आईं।

पाकिस्तान तक महसूस हुए झटके

भूकंप का असर पड़ोसी देश पाकिस्तान तक भी देखा गया। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी तेज झटके महसूस किए गए। कई शहरों में लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। विशेषज्ञों का कहना है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान का यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। यहां हिंदुकुश पर्वतमाला की वजह से अक्सर छोटे-बड़े भूकंप आते रहते हैं।

बचाव कार्य और अंतरराष्ट्रीय मदद की जरूरत

अफगानिस्तान पहले से ही आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। हालिया भूकंप ने स्थिति और विकट बना दी है। देश के कई हिस्सों में मानवीय संकट पहले से गहरा है और अब इस आपदा ने राहत कार्यों की जरूरत और बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और पड़ोसी देश मदद की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी (UNOCHA) ने कहा है कि वह स्थानीय प्रशासन से संपर्क में है और आपातकालीन सहायता भेजने की तैयारी कर रही है।

प्रभावित लोगों की व्यथा

भूकंप से प्रभावित लोगों की हालत बेहद खराब है। कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति बेहद नाजुक बताई जा रही है। टेंट, खाना और पीने के साफ पानी की भारी कमी है। ग्रामीण इलाकों में राहत पहुंचाने के लिए सड़कों को दुरुस्त करना भी बड़ी चुनौती बन गया है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि उसका पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया और परिवार के तीन सदस्य अब तक लापता हैं। वहीं दूसरी ओर, कई लोग अस्पतालों के बाहर खून और दवाइयों के इंतजार में परेशान दिखाई दिए।

बार-बार क्यों आते हैं भूकंप?

विशेषज्ञ बताते हैं कि अफगानिस्तान का इलाका भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय है। यह इलाका हिंदुकुश पर्वतमाला और टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव वाले क्षेत्र में आता है। इसलिए यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। पिछले एक दशक में अफगानिस्तान कई बार भूकंप से भारी तबाही झेल चुका है। 2022 में भी पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

आगे की चुनौतियां

फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है। सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को राहत सामग्री, अस्थायी आश्रय, खाने-पीने की चीजें और स्वास्थ्य सेवाओं की तुरंत व्यवस्था करनी होगी।

इंडोनेशिया में सांसदों की सैलरी बढ़ने पर हिंसक प्रदर्शन, संसद भवन जलाई

-राष्ट्रपति प्रबोवो ने चीन दौरा रद्द किया

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। राजधानी जकार्ता सहित देश के कई बड़े शहरों में सांसदों की सैलरी (वेतन) बढ़ाने के फैसले के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। आम जनता का मानना है कि सांसद पहले से ही ऊंचे वेतन और कई विशेष सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि आम लोग महंगाई और बेरोज़गारी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसी असमानता ने नाराज़गी को हिंसक प्रदर्शन का रूप दे दिया है।

मकासर में क्षेत्रीय संसद को आग के हवाले

शुक्रवार रात इंडोनेशिया के मकासर शहर में प्रदर्शनकारियों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया। उन्होंने स्थानीय क्षेत्रीय संसद भवन में आग लगा दी। आग इतनी भयंकर थी कि पूरी इमारत धुएं से घिर गई और दमकल विभाग को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। इस घटना ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी है।

डिलीवरी बॉय की मौत से उग्र हुए हालात

इन प्रदर्शनों को और भड़काने वाली घटना तब हुई जब हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के एक वाहन ने सड़क पर मोटरसाइकिल से जा रहे एक डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होते ही लोगों का गुस्सा भड़क उठा। पहले से सांसदों की तनख्वाह बढ़ने से नाराज़ जनता अब पुलिस और प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाज़ी करने लगी। जनता का कहना है कि आम नागरिक अपनी रोज़ी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सांसद और अधिकारी विलासिता भरा जीवन जी रहे हैं। डिलीवरी बॉय की मौत ने इस आक्रोश को और गहरा कर दिया है, और अब ये विरोध केवल तनख्वाह के मुद्दे तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक असमानता और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाने लगा है।

राष्ट्रपति प्रबोवो ने चीन दौरा रद्द किया

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अपना चीन दौरा रद्द कर दिया। उन्हें 3 सितंबर को चीन में आयोजित विक्ट्री डे समारोह में शामिल होना था। यह आयोजन द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर रखा गया था। राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने बयान जारी करते हुए कहा कि प्रबोवो मौजूदा हालात पर खुद नज़र रखना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रित किया जाए और जनता के भरोसे को बहाल किया जाए। इसीलिए उन्होंने चीन सरकार से माफ़ी मांगते हुए कहा कि वे इस समारोह में शामिल नहीं हो पाएंगे।

सरकार पर दबाव और जनता की मांग

इन प्रदर्शनों ने इंडोनेशिया सरकार को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। विपक्षी दल और कई सामाजिक संगठन सरकार पर दबाव बना रहे हैं कि सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने का फैसला तुरंत वापस लिया जाए। लोगों का कहना है कि जब तक आर्थिक असमानता दूर नहीं होगी और प्रशासनिक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक इस तरह के विरोध प्रदर्शन शांत नहीं होंगे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,